वर्ष : 17 अंक: 62 आगरा • सोमवार 16 जून 2025 • पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

उत्तरप्रदेश ,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,नई दिल्ली व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

सांध्य पहल

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

आज का तापमान
अधिकतम 42 डिग्री
न्यूनतम 32 डिग्री

इजराइल ने ईरानियों से कहा- मिलिट्री लोकेशन खाली करो-रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया

ईरान ने इजराइली रिफाइनरी पर मिसाइलें दागीं-तेहरान में कश्मीरी स्टूडेंट्स घायल

तेहरान/तेल (ए.)

अवीव ईरान और इजराइल ने शनिवार देर रात एक बार फिर एक-दूसरे पर कई मिसाइलें दागीं। दोनों देशों के बीच बीते 3 दिनों से संघर्ष जारी है। इजराइली डिफेंस फोर्स (IDF) ने ईरान में मिलिट्री हथियार फैक्ट्रियों और उनके आसपास रहने वाले नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी दी है। IDF के कर्नल अविचय अद्री ने X पर पोस्ट में कहा कि हथियार फैक्ट्रियों के पास रहना ईरानियों के लिए खतरनाक हो सकता है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया है। इसके अलावा तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को तबाह किया है। पिछले तीन दिनों के दौरान इजराइली हमले से ईरान में 138 लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं। जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हैं। ईरान की राजधानी तेहरान समेत 7 राज्यों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं। इसमें 14 इजराइली मारे गए हैं और 380 घायल हैं। इजराइल के हाइफा शहर के बाजान तेल रिफाइनरी सेंटर को भी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने कहा है कि अगर इजराइल हमले रोक लेता है तो ईरान भी रोक देगा। हालांकि इस पर इजराइल की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

तेहरान में हॉस्टल पर इजराइली हमले में कश्मीरी स्टूडेंट्स घायल

तेहरान के हुजत दोस्त अली हॉस्टल पर इजराइल ने हवाई हमला किया है। यहां पर कई कश्मीरी स्टूडेंट्स रहते हैं। हमले में कुछ स्टूडेंट्स घायल हो गए हैं। श्रीनगर के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने कहा है कि उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को लेटर लिखकर कश्मीरी स्टूडेंट्स को ईरान के भीतर सुरक्षित जगहों पर तुरंत शिफ्ट करने या एयरस्पेस खुलने पर भारत लाने की अपील की है।

पूर्व क्राउन प्रिंस बोले- खामेनेई सरकार सभी समस्याओं की जड़

ईरान के पूर्व क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर ईरान में खामेनेई की सरकार गिरती है, तो इससे दुनिया की कई समस्याएं खत्म हो जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग जो ईरानी सरकार के सिस्टम के अंदर हैं, वे भी उनसे जुड़े हुए हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इजराइल का मकसद नागरिकों को मारना था, तो पहलवी ने कहा कि इस्लामिक सरकार की अपनी गलतियों ने ईरान को इस हालत में ला दिया है और उन्हें नहीं लगता कि इजराइल का मकसद आम लोगों को मारना था।

ईरान ने साइप्रस के दावे को खारिज किया

ईरान ने मीडिया में चल रही उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि ईरान ने किसी और देश (साइप्रस) के जरिए इजराइल को कोई मैसेज भेजा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाकेई ने कहा कि ईरान ने ऐसा नहीं किया है। दरअसल, साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने कहा था कि ईरान ने साइप्रस से इजराइल को कुछ संदेश देने के लिए कहा है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे संदेश क्या थे। अब ईरान ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है।

अहमदाबाद प्लेन हादसा- विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई: राजकोट में आज होगा अंतिम संस्कार

अब तक 86 शवों की शिनाख्त, 27 परिजन को सौंपे

अहमदाबाद (ए.)

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व ष्टरू विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका ष्ठ्ठ मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 230 परिवारों से अबतक संपर्क किया जा चुका है। आज सुबह तक 248 शवों के ष्ठ्ठ सैंपल लिए गए। इनमें से 86 की शिनाख्त हो गई है, 27 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं। बाकी के ताबूत बनाने का काम जारी है।

एअर इंडिया- पीड़ित परिवारों को केयर टेकर देख रहे

अहमदाबाद प्लेन हादसे के मृतकों और घायलों के परिवारों को एअर इंडिया ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। कंपनी ने दुर्घटना पर दुख जताया है। ङ्ग पोस्ट में कहा- हम दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के साथ हैं। हमने सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिजनों/रिश्तेदारों से संपर्क किया है। अपनी संवेदना व्यक्त की है। पोस्ट में कहा गया कि 400 से अधिक परिवार के सदस्य अहमदाबाद पहुंचे हैं। ग्राउंड पर उनकी मदद के लिए हमारी टीमें तैनात हैं। अहमदाबाद में प्रत्येक प्रभावित परिवार को एअर इंडिया ने कम से कम एक केयर टेकर सौंपा है। जो उनकी मदद करेगा। हमारी पहली प्राथमिकता है कि मृतकों के शव और उनका सामान पीड़ित परिवारों को सौंपा जाए। एअर इंडिया अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। गुजरात से बाहर जाने वालों की हर प्रकार से मदद के लिए तत्पर है।

अस्पताल के आस-पास पुलिस तैनात- एडिशनल सीपी

एअर इंडिया की फ्लाइटU AI171 के दुर्घटनाग्रस्त होने पर एडिशनल सीपी जयपाल एस राठौर ने कहा- अस्पताल और आस-पास के संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित की गई है। वर्तमान में 6-7 आईपीएस अधिकारी और 500 से अधिक पुलिसकर्मी अस्पताल क्षेत्र में मौजूद हैं। हम शवों को उनके परिवारों प्रक्रिया के साथ सौंप रहे हैं।

केदारनाथ के पास हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत: हेलिकॉप्टर सर्विस रोकी

पैदल रूट पर मलबा गिरने से यात्री की मौत, चारधाम यात्रा रुकी

गौरीकुंड/रुद्रप्रयाग (ए.)

केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5=20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि घाटी में बादल थे और विजिबिलिटी ठीक नहीं थी, फिर भी हेलीकॉप्टर उड़ाया गया। यह आर्यन एविएशन कंपनी का था। हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य होगा।

इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

हेलिकॉप्टर में यूपी-महाराष्ट्र के 2-2 और उत्तराखंड, गुजरात के 1-1 यात्री थे। पायलट राजवीर सिंह चौहान जयपुर, राजस्थान के रहने वाले थे। गौरीकुंड से NDRF और स्ठ्ठक्रस्न की रेस्क्यू टीमों को भेजा गया है। ढ्ढत्र गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि आग में झुलसने की वजह से डेड बॉडी को आईडेंटिफाई करने में मुश्किल हो रही है। मृतकों का DNA टेस्ट होगा, उसके बाद ही शव परिजन को सौंपेंगे।

एक्सियम 4 मिशन की नई तारीख- शुभांशु शुक्ला अब 19 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन रवाना होंगे

नई दिल्ली (ए.)

ISRO एस्ट्रोनॉट और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी ढ्ढस्स् ले जाने वाले एक्सियम 4 मिशन की नई तारीख अब 19 जून तय की गई है। ISRO ने यह जानकारी दी। शुभांशु शुक्ला उन चार सदस्यों के क्रू का हिस्सा हैं, जो ढ्ढस्स् जा रहा है। उनका ये मिशन 14 दिन का होगा। इसके पहले यह मिशन 11 जून को भारतीय समय अनुसार शाम 5.30 बजे लॉन्च किया जाना था। ऑक्सीजन लीक के कारण इसे टाला गया था।

30 फीट की ऊंचाई से गिरी 10 साल की बच्ची

मनाली में जिपलाइनिंग के दौरान हादसा हुआ; परिवार छुट्टियां बिताने पहुंचा था

मनाली (ए.)

हिमाचल प्रदेश के मनाली का एक वीडियो वायरल है। इसमें जिपलाइनिंग कर रही 10 साल की बच्ची 30 फीट की ऊंचाई से जमीन पर जा गिरी। घटना में गंभीर घायल हुई बच्ची का नाम त्रिशा है। पहले त्रिशा को मनाली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से चंडीगढ़ रेफर किया, अब उसका नागपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। त्रिशा का परिवार महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है। त्रिशा अपने पिता प्रफुल्ल बिजवे अपनी मां के साथ हॉलिडे मनाने मनाली पहुंची थी। 8 जून को जब वो जिपलाइनिंग कर रही थी, तब हादसा हुआ। वीडियो सामने पहाड़ी पर मौजूद शख्स ने रिकॉर्ड किया।

वीडियो में नजर आ रहा है कि त्रिशा वायर पर लटकी हुई आती है, जब वो 30 फीट की ऊंचाई पर होती है तभी उसका हुक, जिसके सहारे वो लटकी हुई थी, वो टूट जाता है। त्रिशा चीखती पर जमीन पर आ गिरती है। वीडियो बना रखा कहता सुनाई देता है- ओ... बच्ची गिर गई।

मणिपुर में 328 हथियार और गोला-बारूद बरामद

SLR-इंसास जैसी राइफलें शामिल; सुरक्षा बलों ने 5 जिलों में छापेमारी की थी

इंफाल (ए.)

मणिपुर में सुरक्षा बलों के जॉइंट सर्च आपरेशन में 328 हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। इनमें सेल्फ लोडिंग राइफल्स (SLR) और इंसास जैसी राइफलें शामिल हैं। मणिपुर पुलिस के ADGP ल्हारी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि पुलिस, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF), सेना और असम राइफल्स की जॉइंट टीम ने 13-14 जून की आधी रात पांच जिलों में छापेमारी की थी। इसमें 151 SLR राइफलें, 65 इंसास राइफलें, छह ञ्चच् सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफलें, एक ्रक्र-15 राइफल, पांच कार्बाइन बंदूकें, दो MP5 बंदूकें, 12 लाइट मशीन गन (LMG), छह पिस्टल समेत अन्य युद्ध सामग्री बरामद हुई। इसके अलावा 591 मैगजीन और हजारों राउंड (गोलियां) बरामद हुए। इनमें 3534 स्क्रराउंड, 2186 इंसास राउंड, 234 AK राउंड, 407 अमोघ राउंड, .303 के 2252 राउंड और 9 द्वद्व के 20 राउंड शामिल हैं। ऑपरेशन में 10 ग्रेनेड, तीन लेथोड, सात डेटोनेटर और तीन पैरा शेल भी बरामद हुए शामिल थे।

मथुरा में एक साथ 6 मकान ढहे, 3 की मौत:7 लोग मलबे में दबे; JCB से मिट्टी खोद रहे थे, तभी हादसा हुआ

मथुरा (ए.)

मथुरा के गोविंद नगर इलाके में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक साथ 6 मकान अचानक से भरभराकर गिर गए। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। करीब 6 घंटे से 6-7 लोग मलबे में दबे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों की पहचान तोताराम (38), दो सगी बहनें यशोदा (6) और काव्या (3) के तौर पर हुई है। सभी 6 मकान जो ढहे हैं, वो मिट्टी के टीले पर बने हुए थे। लोगों ने बताया कि यहां बाड़े (खुली भूमि) में JCB से खुदाई चल रही थी। तभी अचानक मिट्टी धसकी और एक के बाद एक सभी मकान मलबे में तब्दील हो गए। लोगों ने बताया कि जब हादसा हुआ तो ऐसा लगा कि भूकम्प आ गया हो। लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिला।

24 घंटे में कोरोना से 10 की मौत

नए वैरिएंट से एक दिन में सबसे ज्यादा लोगों ने जान गंवाई; देश में 7383 एक्टिव

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम(ए.)

देशभर में कोरोनावायरस के केसों और मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में 10 लोगों ने जान गंवाई है। नए वैरिएंट से एक दिन में ये सबसे ज्यादा मौतें हैं। केरल में 5, दिल्ली में 3 और महाराष्ट्र में एक मरीज की मौत हुई है। जनवरी से अब तक कोरोना से 97 मरीजों की जान गई है। देश के 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव केसों की संख्या 7383 पहुंच गई है। हालांकि रविवार को नया मामला दर्ज नहीं हुआ, जबकि 17 मरीज रिकवर हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2007 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1441 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव मामले हैं।

भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। ICMR के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे स्न्न.7, XFG, JN.1 और NB.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं, लोगों को चिंता नहीं, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है।

धरती आभा अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर आयोजित

ग्राम बगवाज में आयोजित शिविर के माध्यम से हुआ शुभारंभ

15 से 30 जून तक 145 ग्रामों में लगेंगे शिविर

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार धरती आभा अभियान अंतर्गत 15 से 30 जून तक 145 ग्रामों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविरों की शुरूआत आज आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम बगवाज में आयोजित जिला स्तरीय शिविर के माध्यम से समारोहपूर्वक की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, विजयपुर विधायक श्री मुकेश मल्होत्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट, जिला पंचायत सदस्य श्री गिरधारी बैरवा, श्योपुर विधायक प्रतिनिधि श्री सिराज दाउदी, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री पूरण आर्य, सरपंच श्रीमती जानकी बाई आदिवासी, पूर्व पार्षद श्री वेदप्रकाश त्रिपाठी, एसडीएम श्री बीएस श्रीवास्तव, सीईओ जनपद श्री राकेश शर्मा, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री रिशु सुमन, उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे, आयुष अधिकारी डॉ जीपी वर्मा, एसडीओ पीएचई श्री ओपी नागर, फूड आफिसर श्री सुनील शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिविर को संबोधित करते हुए विजयपुर विधायक श्री मुकेश मल्होत्रा ने कहा कि सहरिया सहित अन्य जनजाति समुदाय के लिए धरती आबा अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में अधोसंरचनात्मक विकास के साथ ही हिताग्राहीमूलक विभिन्न योजनाओं में लाभ दिया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होने भगवान बिरसा मुण्डा को नमन करते हुए सभी जनजातीय समुदाय से उक्त योजना का लाभ उठाने की अपेक्षा की। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की 150वी जयंती को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसी क्रम में धरती आबा अभियान शुरू करते हुए जनजातीय समुदाय को आवास, बिजली, पानी, सडक सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही सभी के आयुष्मान कार्ड बनाकर 5 लाख रूपये तक के निशुल्क उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पीएम जनमन योजना के तहत भी 25 हजार से अधिक आवास स्वीकृत किये गये है।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट ने कहा कि जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए केन्द्र और प्रदेश की सरकार निरंतर कार्य कर रही है, स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ ही अन्य योजनाओं में लाभ प्रदान किया जा रहा है। पक्के मकान की उपलब्धता के लिए उक्त अभियान के तहत आवास स्वीकृत किये जा रहे है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट ने कहा कि सरकार की योजनाओं एवं अभियानों से जनजातीय समुदाय के जीवन स्तर में बदलाव आया है तथा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता बढी है, ग्रामों में पेयजल के साथ ही विधुत व्यवस्था सुदृढ हुई है तथा ग्रामों को सडको से जोडने का कार्य किया गया है। जिला पंचायत सदस्य श्री गिरधारी बैरवा ने कहा कि प्रदेश की सरकार द्वारा सिंचाई के साधनों में वृद्धि की गई है, लोगों को पर्याप्त मात्रा में बिजली मिल रही है और खेती किसानी का कार्य में उत्पादकता बढी है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को लाभ देने का कार्य किया जा रहा है। शिविर का संचालन सहायक आयुक्त श्री रिशु सुमन एवं आभार सीईओ जनपद श्री राकेश शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए स्टॉल लगाये गये।

इसके पूर्व विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। सहायक आयुक्त श्री रिशु सुमन ने बताया कि जिले के तीनों विकासखंड में 15 जून से 30 जून तक शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविर के दौरान आधार कार्ड, राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र, केसीसी, पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन खाता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मुद्रा ऋण सहित अन्य रोजगारमूलक योजनाओं में लाभ, पीएम मातृत्व योजना आदि का लाभ प्रदान किया जायेगा। उन्होने बताया कि आदिवासी विकासखण्ड कराहल के 56 ग्रामों में, विजयपुर के 89 ग्रामों में तथा श्योपुर विकासखण्ड के 98 ग्रामों में 15 जून से 30 जून तक शिविर आयोजित किये जायेंगे।

4 हितग्राहियों को मिला आवास योजना का लाभ

जिला स्तरीय शिविर के दौरान अतिथियों द्वारा ग्राम के 4 हितग्राहियों को आवास योजना के तहत दो-दो लाख रूपये की राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर हितग्राही श्रीमती ललिता आदिवासी पत्नि श्री राजेन्द्र आदिवासी, श्रीमती सलमा पत्नि श्री धनश्याम आदिवासी, श्रीमती नीतू पत्नि श्री जगदीश एवं श्री बंटी पुत्र श्री मन्नू निवासीगण बगवाज को पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत आवास राशि दो-दो लाख रूपये के स्वीकृति पत्र सौपे गये।

पीएम मातृत्व वंदना योजना में दो हितग्राही लाभान्वित

जिला स्तरीय शिविर के दौरान अतिथियों द्वारा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना अंतर्गत श्रीमती सोमवती पत्नि श्री गणेश आदिवासी एवं श्रीमती संगीता पत्नि श्री विष्णु आदिवासी को क्रमशः 6 हजार एवं 5 हजार रूपये के स्वीकृति पत्र प्रदान कर लाभान्वित किया गया। इसी प्रकार लाडली लक्ष्मी योजना के तहत दो बालिकाओं आरूषी पुत्री श्री विनोद एवं खुशी पुत्री श्री बृजेश को पंजीकृत करते हुए प्रत्येक को 1 लाख 43 हजार राशि के प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये।

स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग ने लगाये शिविर, 80 आयुष्मान बनायें

जिला स्तरीय शिविर के दौरान आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर 73 रोगियों की जांच करते हुए उन्हें निशुल्क दवा का वितरण किया गया। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा शिविर स्थल पर रोगियों की जांच कर निशुल्क उपचार किया गया। इस दौरान 80 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये तथा सिकलसेल एनीमिया अंतर्गत 300 एवं क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत 332 लोगों की स्क्रीनिंग की गई।

टेलेंट सर्च का आयोजन 16 जून से

आदिवासी बालक क्रीडा परिसर की 63 सीटो पर मिलेगा प्रवेश

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जनजातीय विभाग द्वारा संचालित आदिवासी बालक क्रीडा परिसर ढेगदा में वर्ष 2025-26 के लिए प्रवेश हेतु टेलेंट सर्च का आयोजन किया जा रहा है। विकासखण्ड विजयपुर में अनुसूचित जाति खण्ड स्तरीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास विजयपुर में 16 जून को, विकासखण्ड कराहल में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कराहल में 18 जून को तथा श्योपुर विकासखण्ड के लिए क्रीडा परिसर ढेगदा में 20 जून को प्रातः 10 बजे से शाम 04 बजे तक विकासखण्ड स्तरीय टेलेंट सर्च का आयोजन किया गया है। अंतिम चयन जिला स्तर पर क्रीडा परिसर ढेगदा में विकासखण्डवार आयोजित टेलेंट सर्च के माध्यम से किया जायेगा। टेलेंट सर्च के माध्यम से कुल 63 रिक्त सीटो पर खिलाडी विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा।

प्रभारी सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री रिशु सुमन ने बताया कि विकासखण्ड स्तर के टेलेंट सर्च में चयन उपरांत क्रीडा परिसर ढेगदा में श्योपुर विकासखण्ड के लिए 23 जून को, विजयपुर विकासखण्ड के लिए 24 जून को तथा कराहल विकासखण्ड के लिए 25 जून को जिला स्तर पर टेलेंट सर्च आयोजित होगे, जिसमें शारीरिक परीक्षण तथा वैटरी टेस्ट फाइनल के बाद अंतिम चयन सूची जारी की जायेगी। जिला स्तर का टेस्ट प्रातः 09 बजे से शाम 04 बजे तक आयोजित होगा। टेलेंट सर्च में शामिल होने के लिए मिनी वर्ग के 11 से 14 वर्ष, जूनियर वर्ग में 16 से 18 वर्ष तथा सीनियर वर्ग में 16 से 18 वर्ष के खिलाडी विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। टेलेंट सर्च में चयन लम्बाई, नापतौल से लेकर 10 वैटरी टेस्ट के आधार पर एथलेटिक्स एवं मार्शल आर्ट विधा में किया जायेगा। इस टेलेंट सर्च में मध्यप्रदेश के किसी भी जिले के छात्र भी भाग ले सकते है, वे अपनी सुविधा अनुसार उक्त तिथियो में विकासखण्ड स्तर पर आयोजित टेलेंट सर्च में शामिल हो सकते है तथा विकासखण्ड स्तर पर चयन के उपरांत जिला स्तर के फाइनल राउंड में विकासखण्डवार नियत तिथि अनुसार उपस्थित हो सकते है।

जिले की तीनो आईटीआई में प्रवेश की अंतिम तिथि 16 जून

श्योपुर, ब्यूरो। श्योपुर जिले के तीन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया जारी है, इन संस्थानों में 16 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर च्वांइस फिलिंग की जा सकती है। प्राचार्य आईआईटी श्री आशीष जैन ने बताया कि में आईटीआई श्योपुर, विजयपुर एवं कराहल में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने कम्प्यूटर या एंड्रॉयड मोबाइल फोन अथवा ऑनलाइन सहायता केन्द्रों के माध्यम से विभाग के पोर्टल पर आज 16 जून तक आवेदन, पंजीयन व च्वॉइस फिलिंग कर सकते हैं।

बीज एवं खाद के सैम्पल लिये, तीन दुकानें सील्ड

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में आज गुणवत्ता नियंत्रण हेतु कृषि विभाग द्वारा खाद- बीज दुकानों से बीज के 07 एवं उर्वरक के 01 सेंपल लिये गये तथा तीन दुकानों पर आवश्यक दस्तावेज नही होने पर सील्ड करने की कार्यवाही की गई।

उप संचालक कृषि श्री जीके पचौरिया ने बताया कि विक्रेता फर्म मैसर्स पूजा बीज भंडार सहसराम, श्री श्याम इंटरप्राइजेज सहसराम, धाकड बीज भंडार सहसराम, बालाजी कृषि सेवा केन्द्र गसवानी एवं सेवा सहकारी संस्था सहसराम से सेंपल लेने की कार्यवाही की गई है, जिन्हे प्रयोगशाला विश्लेषण हेतु भेजा जा रहा है।

तीन दुकानों पर आवश्यक दस्तावेज नही पाये जाने पर सील्डं करने की कार्यवाही की गई। जिन दुकानों को सील्ड किया गया है, उसमें मैसर्स श्री प्रकाश ट्रेडर्स सहसराम, श्री धाकड कृषि सेवा केन्द्र सहसराम एवं मैसर्स सरदार कृषि सेवा केन्द्र गसवानी शामिल है। निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग की टीम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी वि.ख. विजयपुर श्री विष्णु राठौर, कृषि विस्तार अधिकारी श्री धरमा सेमले एवं पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्यवाही की गई है।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को किया जागरूक

श्योपुर, ब्यूरो। उपरोक्त विषयान्तर्गत म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिविसेप्रा, श्योपुर श्री पवन कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में श्री योगेश बंसल, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिविसेप्रा, श्योपुर द्वारा विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस अंतर्गत ग्राम सोई कला, शंकरपुर, मानपुर में नालसा एवं सालसा के प्रति जागरूकता हेतु शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणजन को नालसा की स्कीम वरिष्ठ नागरिकों के प्रति जागरूकता योजना एवं साथी (आधार के लिये सर्वेक्षण और टेकिंग और समग्र समावेश तक पहुंच) अभियान व अन्य नालसा की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदाय की। के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया साथ ही बताया गया कि इस शिविर का उद्देश्य बुजुर्गों की ओर ध्यान केंद्रित करना और बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार को पूरी तरह से खत्म करने के लिये एकजुट होकर प्रयास करना है। साथ ही उपस्थित ग्रामीण जनों को निशुल्क की सहायता मध्य प्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, चाइल्ड लाईन नंबर 1098 पुलिस 100 या जन साहस मजदूर हेल्पलाईन नम्बर 180012011211 एवं लीगल हेल्पलाईन नम्बर 15100 आदि पर फोन कर जानकारी दे। उक्त ग्रामों में आयोजित शिविर कार्यक्रम में श्री योगेश बंसल, जिला विधिक सहायता अधिकारी जिविसेप्रा, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

सिलपुरी की 253 बीघा भूमि शासकीय घोषित करने का आदेश पारित

श्योपुर, ब्यूरो। न्यायालय अपर कलेक्टर द्वारा निगरानी के प्रकरण में तहसील कराहल अंतर्गत ग्राम सिलपुरी की 253 बीघा भूमि को शासकीय दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा पारित आदेश के अनुसार निगरानी के प्रकरण में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी अभिलेख जांच शाखा श्योपुर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार तहसीलदार कराहल के दायरा पंजी वर्ष 2002-03 के शीर्ष अ-19 में एक दायरा पंजी में एक लगायत 41 प्रकरण दर्ज है, 41 के बाद पृष्ठ खाली है। तहसीलदार कराहल की दायरा पंजी वर्ष 2002-03 भाग दो में शीर्ष अ-19 में एक लगायत 22 प्रकरण दर्ज है, प्रकरण क्रमांक 69/अ-19/2002-03 दायरा पंजी में दर्ज नही है। संबंधित न्यायालय की दायरा पंजी में प्रकरण दर्ज नही होने, प्रकरणों में अनावेदकगणो के नाम, हस्ताक्षर, भूमि के सर्वे नंबर में भिन्नता होने से न्यायालय तहसीलदार तहसील कराहल का उक्त प्रकरण पूर्ण रूप से कूटरचित तरीके से तैयार किया जाना प्रमाणित होने पर 29 व्यक्तियों के नाम की प्रविष्टि को शासकीय दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है तथा तहसीलदार कराहल को उक्त आदेश का अमल करने हेतु आदेशित किया गया है। उक्त प्रकरण में जिन 29 लोगों की प्रविष्टियों को शासकीय दर्ज करने का आदेश पारित किया गया है, उनमें सुखवीर सिंह पुत्र अर्जुन सिंह, जोगेन्दर कौर पत्नि दिलीप सिंह, धनिया बाई पुत्री भूजबल सिंह यादव, पंचम सिंह पुत्र चतुर सिंह यादव, गुरूदयाल सिंह पुत्र मस्तान सिंह, प्रदीप सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह जाट सिख, भीमराज सिंह पुत्र जगन्नाथ सिंह, चंचल सिंह पुत्र जगन्नाथ सिंह, लखन पुत्र रामजीलाल यादव, पिंकी पत्नि पुरूषोत्तम, नसीब कौर पत्नि दिलीप सिंह, नरेन्द्र सिंह पुत्र बलकार सिंह, जसवीन्दर कौर पत्नि सतविन्दर सिंह, सुशीला पत्नि हरिओम जाटव, माया पत्नि देवेन्द्र यादव, भूपत पुत्र दौलत सिंह यादव, रूप सिंह पुत्र दौलत सिंह यादव, राजकौर पत्नि जसवंत सिंह, गुड्डी बाई पुत्री कोमल सिंह यादव, भगवान सिंह पुत्र चतर सिंह यादव, महेन्द्र पुत्र गजराज सिंह यादव, भूपेन्द्र पुत्र मामचंद यादव, अमर सिंह पुत्र भूपेन्द्र यादव, कुलदीप पुत्र धर्मचंद यादव, अशोक पुत्र रतिराम कुशवाह, सुरेश रानी पत्नि रामचंद्र, सम्राट पुत्र सूरज प्रकाश, महेन्द्र सिंह पुत्र सबसुख सिंह यादव एवं दिनेश पुत्र जयवीर सिंह शामिल है।

नदी, तालाबों से मछली पकडने एवं परिवहन पर रोक

प्रजनन काल होने से 15 अगस्त तक लगाया प्रतिबंध

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा मध्यप्रदेश मत्स्य उद्योग अधिनियम एवं मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान नदी, तालाबों, जलाशयों एवं अन्य जल स्त्रोतों से मछली पकडने एवं मछली के परिवहन पर रोक रहेगी। वर्षाकाल में मछलियों की प्रजनन अवधि को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रतिबंध लगाया गया है। सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री बीपी झसिया ने बताया कि यह प्रतिबंध मध्यप्रदेश शासन के मत्स्यपालन विभाग के निर्देशानुसार एवं मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा के अंतर्गत लागू किया गया है।

अस्पतालों में बनवायें 70 प्लस के बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड

श्योपुर, ब्यूरो। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत 70 प्लस के बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में 70 प्लस बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है। यह आयुष्मान कार्ड सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक अस्पतालों, सामुदायिक एवं जिला अस्पताल में बनवाये जा सकते है। इसके लिए किसी प्रकार की पात्रता की आवश्यकता नही है। यह आयुष्मान कार्ड केवल 70 वर्ष से अधिक उम्र के आधार पर बनाये जा रहे है। सीएमचओ डॉ दिलीप सिकरवार ने बताया कि जिले के सभी ऐसे बुजुर्ग जिनकी आयु 70 साल से अधिक हो गई है, वे अपने आयुष्मान कार्ड नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों, अस्पतालो में बनवा सकते है, इससे 5 लाख रूपये तक के उपचार का लाभ मिलता है।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है भिंडी, जानिए इसके फायदे

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर को कई तरह के लाभ प्रदान कर सकते हैं। यह सब्जी खासतौर पर मधुमेह और पाचन समस्याओं से ग्रस्त लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

आइए जानते हैं कि भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में है सहायक

मधुमेह एक गंभीर बीमारी है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। भिंडी का सेवन मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

इसमें मौजूद कुछ खास तत्व इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में सहायक होते हैं।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में भी मदद करता है। इसलिए मधुमेह रोगियों के लिए भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है मददगार

भिंडी फाइबर का अच्छा स्त्रोत होने के कारण पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती है।

इसमें मौजूद फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में सहायक होता है, जिससे कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व पाचन तंत्र को मजबूती देते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं। इसलिए रोजाना थोड़ी मात्रा में भिंडी का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

भिंडी का सेवन दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं। इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है। भिंडी में पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

त्वचा की समस्याओं को करता है दूर

भिंडी में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है, जो त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे, दाने आदि को दूर करने में मदद करता है।

अर्तराष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस आयोजित

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में अंर्तराष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 15 जून के अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के तत्वाधान में श्री गणराज सेवा समिति के सहयोग से प्रेरणा वृद्धाश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती शशिकिरण इक्का, संस्था के सचिव श्री धर्मेन्द्र शर्मा, ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि बहन कुमारी तारा सहित अन्य समाजसेवी एवं वृद्धजन उपस्थित रहें। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठि के दौरान उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती शशिकिरण इक्का द्वारा बुजुर्गो के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं शोषण के प्रति जागरूक किया गया। उन्होने कहा कि वरिष्ठजनो के समग्र कल्याण, पुर्नवास एवं संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा माता पिता और वरिष्ठ नागरिको के भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 एवं मध्यप्रदेश माता पिता और वरिष्ठ नागरिको के भरण पोषण तथा कल्याण नियम 2009 बनाया जाकर प्रभावशील किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिको का सम्मान भी किया गया।

50 बेड का अस्पताल: मच्छर भी भर्ती नहीं, ना डाक्टर ना अधीक्षक सब फरार, सफाई कर्मचारी के हवाले अस्पताल

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। योगी सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को सही करने के निर्देश दे रही है समय-समय पर सरकार के द्वारा अस्पतालों में मुख्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं हर मरीज को इलाज मिले इसलिए डॉक्टर तैनात किए जा रहे हैं लेकिन योगी सरकार को स्वास्थ्य विभाग बदनाम करने में लगा है 50 बेड का अस्पताल है लेकिन उस अस्पताल में एक भी मरीज भर्ती ना हो तो अनुमान क्या लगाया जाएगा दिन के समय ओपीडी सैकड़ो लोगों की दिखाई जाती है लेकिन रात्रि के समय मरीज नहीं मिलेंगे दूसरी तरफ डॉक्टर अधीक्षक अस्पताल में मौजूद नहीं रहते सफाई कर्मचारी के हवाले सरकारी अस्पताल रहता है 7 जून को रात्रि में अस्पताल खुला हुआ था लेकिन कोई डॉक्टर कर्मचारी मौजूद नहीं था उसके बाद अधीक्षक ने अपनी सफाई दी और कर्मचारियों पर गुस्सा निकाल दी लेकिन 13 जून को जब हमारी टीम फिर से अस्पताल पहुंची उस अस्पताल में देखा गया के बार्ड बॉय फार्मेसिस्ट दो महिला कर्मचारी मौजूद थी पूछा गया कि इमरजेंसी डॉक्टर की ड्यूटी किसकी है तो कोई जवाब नहीं दे पाया अधीक्षक कहां है, तो कोई बता नहीं पाया कोई कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हुआ। आखिरकार राम भरोसे अस्पताल चल रहा है, लाखों रुपए महीने मिलने वाले डॉक्टर कहां हैं, घर बैठकर सरकारी पैसा ले रहे है सरकार द्वारा अस्पताल में आवास उपलब्ध कराए गए हैं, उन आवासों में कौन रहता है किसी के पास कोई जवाब नहीं है स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आंखों पर पट्टी बांधकर बैठे हुए हैं। कुंभकर्णी नींद टूटने का नाम नहीं लेती सूत्रों की माने तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कुछ दिखाई नहीं देता महीने दारी पहुंचने के बाद सभी के मुंह बंद हो जाते हैं। चांदी के जूते के आगे सब नतमस्तक हैं! आखिरकार जनता कहां जाए? इनके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्षेत्र में समस्या है उसका समाधान कैसे होगा? सरकारी अस्पताल की दशा कैसे सुधरेगी?

7,13 को नहीं मिले डॉक्टर अधीक्षक

माता भगवती देवी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आवल खेड़ा में स्थित है इस अस्पताल में डॉक्टर नहीं रहते सफाई कर्मचारी एवं वार्ड बॉय के हवाले सरकारी अस्पताल कर दिया जाता है

50 बेड का है अस्पताल

इस अस्पताल में 50 बेड की क्षमता है लेकिन एक भी मरीज भर्ती नहीं रहता भर्ती के नाम पर आयुष्मान कार्ड को मरीजों से लेकर उसे पैसा निकाल दिया जाता है मरीज को अस्पताल में भर्ती दिखाया जाता है लेकिन मरीज भर्ती नहीं रहते

दिन में लगती है मरीजों की लाइन

इतनी भीषण गर्मी में दिन में मरीजों की लाइन लगी रहती है लेकिन रात्रि के समय अस्पताल में कोई मरीज भर्ती नहीं मिलेगा डॉक्टर मरीज को भर्ती नहीं करते

सरकारी दवा है फायदा क्या मिलेगा

क्षेत्र के तमाम मरीज का कहना है कि जब दवा लेने जाते है तो डॉक्टर और कर्मचारी कहते हैं कि सरकारी दवा है इससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा प्राइवेट डॉक्टर से इलाज कराओ आखिरकार डॉक्टर कर्मचारी सरकार के द्वारा दिए जा रहे पैसे की नौकरी कर रहे हैं या फिर प्राइवेट डॉक्टरों की

क्यों नहीं आते डॉक्टर

अस्पताल में डॉक्टर क्यों नहीं आते इसका क्या कारण है कुछ कर्मचारी दबी आवाज में रहते है कि इस अस्पताल में कोई आना नहीं चाहता आखिरकार इसका क्या कारण है।

लगातार खबर चलाई तो लगा देंगे आरोप

अस्पताल की लगातार खबरें चलाई तो किसी महिला कर्मचारी से आरोप लगवाए जाएंगे सूत्रों ने बताया है कि डॉक्टर और कर्मचारी रहते हैं की रात्रि के समय अगर अस्पताल में कोई आता है तो किसी महिला कर्मचारी से झूठा आरोप लगा दो खबर चलना बंद हो जाएगी।

गंदगी के लगे हैं अंबार

अस्पताल प्रांगण में गंदगी के अंबार लगे हुए हैं जगह-जगह गंदगी है, सफाई नहीं की जाती

प्राइवेट अस्पतालों में लगी है लाइन

सरकारी अस्पताल में कोई भी मरीज भर्ती नहीं है, लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की लाइन लगी हुई है, जब पूरे क्षेत्र में सभी स्वस्थ है तो फिर प्राइवेट अस्पतालों एवं झोलाछापों के यहां कहां से मरीज आ रहे हैं।

अस्पताल का जल्द होगा बड़ा खुलासा

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इस अस्पताल का जल्द खुलासा होगा इस अस्पताल के डॉक्टर क्या कर रहे हैं इसका खुलासा जल्द किया जाएगा।

नाबालिक भांजी के साथ दुष्कर्म कराने वाली बुआ व उसका पुत्र गिरफ्तार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। नाबालिक युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त व नाबालिक युवती का गर्भपात कराने वाली महिला अभियुक्ता को थाना हरीपर्वत पुलिस टीम द्वारा किया गिरफ्तार। 14 जून शनिवार को एक व्यक्ति द्वारा थाना हरीपर्वत पर तहरीर दी गयी कि वादी की पत्नी की मृत्यु 05 वर्ष पूर्व हो गयी थी जिस कारण पीड़ित की पुत्री उम्र 14 वर्ष अपनी बुआ के साथ रहती है। 13 जून को उसकी पुत्री द्वारा उसको बताया गया कि उसकी बहन के पुत्र सुमित ने दिसम्बर जनवरी 2025 में कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया है।, जिससे उसकी पुत्री 05 माह का गर्भवती हो गयी । 12. जून 2025 को उसकी बहन द्वारा उसकी पुत्री का गर्भपात करा दिया गया है। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हरीपर्वत पुलिस ने धारा 65(1)/351(2)/89 बीएनएस व 5एम/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना हरीपर्वत पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तार हेतु सम्भावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी।

15 जून रविवार को मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर नाबालिक युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त एवं नाबालिक युवती का गर्भपात कराने वाली महिला अभियुक्ता(पीड़ित की बहन) को आईएसबीटी बस स्टैण्ड के पास से पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों में सुमित पुत्र गुलाब सिंह निवासी रतनपुरा रिंग रोड थाना हरीपर्वत और महिला अभियुक्ता उसकी मां है। पुलिस टीम में थाना प्रभारी हरीपर्वत प्रदीप कुमार त्रिपाठी निरीक्षक अपराध सतेन्द्र पाल सिंह,उपनिरीक्षक विपिन कुमार,उपनिरीक्षक प्रवेश कुमार महिला उपनिरीक्षक मंजू अत्री, शामिल रहे।

ताजमहल पर बिछड़े पर्यटकों को परिजनों से मिलाया- भीड़ में खो गए थे, पुलिस ने की रेडियो एनाउंसमेंट

आगरा । ताजमहल पर पुलिस ने कई पर्यटकों को उनके परिजनों से मिलवाया। पर्यटक अपने परिजनों से बिछड़ गए थे। सभी पर्यटकों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही पुलिस ने एक पर्यटक का खोया बैग भी ढूंढ कर वापस दिया। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जनपद से ताजमहल देखने आए भाई बहन हितेंद्र साहू एवं रुक्मणी साहू ताजमहल के अंदर से ताजमहल देखने के बाद भीड़ में बिछड़ गए। पर्यटक रुक्मणी साहू द्वारा अपने भाई से बिछड़ने की सूचना थाना ताज सुरक्षा पुलिस की क्विक रिस्पांस टीम को पश्चिमी गेट पर दी गई। प्रभारी निरीक्षक तिलकराम भाटी के निर्देश पर रेडियो अनाउंसमेंट आरटीसेट मैसेज से प्रसारण कराया। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए। सूचना के सिर्फ 30 मिनट के अंदर उनके भाई हितेंद्र साहू को खोज कर महिला पर्यटक से मिलाया गया। अंबेडकर नगर जनपद से ताजमहल देखने आए पर्यटकों के अलग अलग दो समूहों से महिला पर्यटक सूरजमुखी एवं महिला पर्यटक विजय लक्ष्मी पांडे ताजमहल देखने के बाद बाहर आते समय पश्चिमी गेट निकास द्वार के पास भीड़ में अपने परिजनों से बिछड़ गई। ताज सुरक्षा पुलिस के जवानों द्वारा 30 मिनट के अंदर दोनों पर्यटक महिलाओं को खोज कर उनके ग्रुप के साथियों से मिलाया गया। गुजरात के अहमदाबाद से ताजमहल देखने आए पर्यटकों के समूह से दो महिला पर्यटक 70 वर्षीय सज्जन बेन और 50 वर्षीय विलासबेन ताजमहल देखने के बाद अपने परिजनों से बिछड़ गई। वह पश्चिमी गेट से बाहर चली गई जबकि उनके परिजन पूर्वी गेट से बाहर आ गए। उन्होंने काफी तलाश किया लेकिन आपस में नहीं मिले। ताज सुरक्षा पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज रेडियो अनाउंसमेंट एवं आरटी सेट मैसेज के माध्यम से दोनों पर्यटक महिलाओं को खोज कर परिजनों से मिलाया गया।

योग सप्ताह का भव्य शुभारंभ: आगरा में जागरूकता रैली से किया शंखनाद

एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम से निकाली गई योग जागरूकता रैली, योग दिवस 2025 : योगी सरकार का लक्ष्य- जन-जन तक पहुंचाना योग

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को एक व्यापक %योग सप्ताह% के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसी कड़ी में, आज रविवार सुबह 6ः00 बजे आगरा के एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम से एक भव्य रैली निकालकर %योग सप्ताह% का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस रैली का शुभारंभ विधायक चौधरी बाबूलाल चौधरी ने किया, जिसके साथ ही जनपद आगरा में योग के एक सप्ताह व्यापी उत्सव का आगाज हो गया। पारंपरिक रूप से 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के बजाय, इस बार विभिन्न सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय निकायों द्वारा पूरे एक सप्ताह तक योग से संबंधित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। योगी सरकार का स्पष्ट उद्देश्य योग को केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित न रखकर, इसे जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बनाना है, ताकि हर व्यक्ति स्वास्थ्य और कल्याण के लाभों को आत्मसात कर सके।

आगरा में उत्साह का माहौल

सुबह- सुबह एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में बड़ी संख्या में योग प्रेमी, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न विभागों के अधिकारी एकत्र हुए। विधायक चौधरी बाबूलाल चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि ÷योग हमारी प्राचीन धरोहर है और यह शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर योग सप्ताह का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें और स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें।÷ रैली एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसमें शामिल लोगों ने योग के प्रति उत्साह और जागरूकता का संदेश दिया। रैली में लगभग 800 लोगों द्वारा प्रतिभाग कर हर्षोल्लास से साथ जनपद आगरा में रैली को भव्य एवं सफल बनाया।

एक सप्ताह चलेगा अभियान

आगामी एक सप्ताह तक स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, पुलिस लाइनों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक पार्कों में विशेष योग सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इसमें योग गुरु और आयुष विशेषज्ञ लोगों को योग के विभिन्न आसन और उनके लाभों के बारे में जानकारी देंगे। व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा ताकि योग के महत्व को जन- जन तक पहुँचाया जा सके। योगी सरकार का यह अभिनव कदम प्रदेश में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। %योग सप्ताह% के रूप में इस आयोजन का लक्ष्य योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण करना है।

किरावली में नकली पंखे और जूसर मशीन जब्तः ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर बेचे जा रहे थे

कंपनी के अधिकारियों ने पुलिस के साथ मारा छापा सामान बरामद दुकानदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा । आगरा के कस्बा किरावली की सब्जी मंडी स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान और गोदाम पर शनिवार को छापेमारी हुई। जिसमें भारी संख्या में असली लेबल लगे नकली 28 पंखे व 25 जूस मशीन मिले पुलिस ने सारा सामान बरामद कर लिया और आरोपित दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक चंडीगढ़ के 130/131 सेक्टर 34 ए स्थित एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी स्पीड सर्च एंड सिक्युरिटी में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत दीप सिंह पुत्र करन सिंह ने थाना किरावली में दी तहरीर के आधार पर बताया कि उन्हें एक सूचना प्राप्त हुई कि उनकी कंपनी के ब्रांडेड माल की आड़ में किरावली बाजार में नकली माल बेचा जा रहा है। उक्त सूचना के आधार पर उन्होंने शुक्रवार की शाम थाना पुलिस के साथ बाजार में सर्वे किया।तो कस्बा स्थित सब्जी मंडी में मनोज रेडियो के नाम से दुकान और गोदाम पर जांच की गई। जिसमें पाया गया कि ऊषा, बजाज ओर प्रेस्टीज जैसे ब्रांडेड की जगह नकली सामान बेचा जा रहा है। मौके पर गोदाम की जांच की गई तो डब्बे के अंदर बजाज कंपनी के स्टीकर लगे 28 नकली पंखे व समर कूल के डिब्बों के अंदर ऊषा कंपनी के स्टीकर लगे हुए 25 नकली जूसर मिक?सर मशीन मिली। इसके अलावा समर डीडीआर के डिब्बों के अंदर, प्रेस्टीज कंपनी के स्टीकर लगे 25 जूसर पाए गए। जिसकी जांच करने पर सारे नकली सामान को पुलिस की मौजूदगी में बरामद कर लिया गया और आरोपित दुकानदार सोनवीर सिंह के खिलाफ कंपनी के फील्ड ऑफिसर ने कॉपी राइट एक्ट की धारा 63/65 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। इस कार्रवाई से स्थानीय बाजार में हडकंप मचा रहा।

फतेहाबाद में बाइक चोरों का पर्दाफाशः अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, 14 मोटरसाइकिलें बरामद

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। फतेहाबाद पुलिस ने अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 14 चोरी की मोटरसाइकिलें और तीन फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) बरामद किए गए हैं। इंस्पेक्टर फतेहाबाद देवी प्रसाद तिवारी के मुताबिक 14 जून को थाना थाना फतेहाबाद पुलिस टीम द्वारा नगला लोहिया कट पर चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान चैकिंग पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुया कि 03 व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिल सहित लखनऊ एक्सप्रेस सर्विस रोड़ पर लुहारी कि तरफ जाने वाले है। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये तीन अभियुक्तगण महेश पुत्र मिट्ठनलाल, चीकू उर्फ रामप्रकाश पुत्र बांकलाल व मुकेश कुमार पुत्र हरीशंकर को भलोखरा पुलिया के पास से व 01 अभियुक्त कमलेश उर्फ अईया पुत्र घमण्डीलाल आगरा लखनऊ सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से 02 अदद मोटरसाइकिल व निशानदेही से कुल 12 मोटरसाइकिल व 03 अदद कूटरचित बरामद हुयी। गिरोह के सदस्य आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर चोरी की बाइक बेचने की फिराक में थे, तभी थाना फतेहाबाद की टीम ने लोहिया नगला कट के पास उन्हें घेराबंदी कर दबोच लिया। डीसीपी पश्चिमी अतुल शर्मा ने बताया कि यह गिरोह चोरी की मोटरसाइकिलों की फर्जी आरसी बनवाकर उन्हें अगल-बगल के ग्रामीण इलाकों में बेच देता था। अब तक 14 बाइक बरामद की गई हैं, जिनमें से छह के मालिकों की पहचान शेष है।

ये अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

डीसीपी वेस्ट अतुल शर्मा ने बताया कि पुलिस द्वारा गिरोह के जिन चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, वे हैं।महेश पुत्र मिठ्ठनलाल निवासी ग्राम गढ़ी भूपाल थाना शमशाबाद चीकू उर्फ रामप्रकाश पुत्र बांकेलाल निवासी ग्राम वास झरना थाना नगला सिंघी जनपद फिरोजाबाद। मुकेश कुमार पुत्र हरीशंकर निवासी ग्राम वास झरना थाना नगला सिंघी जनपद फिरोजाबाद। कमलेश उर्फ अईया पुत्र घमण्डीलाल निवासी ग्राम लाँघी खुर्द थाना नगला सिंघी जनपद फिरोजाबाद चारों अभियुक्त बहुत शातिर हैं। और इनके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ये फर्जी आरसी कहां और कैसे तैयार कराते थे।

गिरोह के नेटवर्क पर शिकंजा

पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह से जुड़ी और भी कड़ियाँ जल्द सामने आएंगी। पूछताछ में आरोपियों ने कई खुलासे किए हैं, जिनके आधार पर अन्य साथियों और नेटवर्क पर भी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में शामिल अधिकारी

यह कार्रवाई एसीपी फतेहाबाद अमरदीप लाल के नेतृत्व में की गई टीम में थाना प्रभारी फतेहाबाद देवी प्रसाद तिवारी एसआई रजत शर्मा एसआई सुरजीत सिंह एसआई शिवप्रकाश सिंह एसआई सागर सिंह एसआई प्रभात साहू एसआई योगेन्द्र कुमार हैड कास्टेबल सर्वेश कुमार शर्मा कास्टेबल सुनील कुमार राजकुमार राहुल कुमार पवन कुमार अजय कुमार आदि शामिल रहे।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने की पर्यटन विभाग के कार्यों की समीक्षा, व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाने के दिए निर्देश

दो दिवसीय उत्तर प्रदेश उद्योग संवाद व उद्यम अवार्ड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में होटल ताज कन्वेंशन पहुंच कर उद्यमियों को किया संबोधित, कैलाश मानसरोवर यात्रा का उठाएं लाभ आगरा के लोग, इंदिरापुरम गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से 50 यात्रियों के पहले जत्थे को आज मैंने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना,यात्रियों के लौटने पर उनके खाते में 01 लाख रुपए देगी यूपी सरकार-मा. मंत्री श्री जयवीर सिंह, पहले की सरकारों में अपहरण, फिरौती उद्योग बन गए थे माफियाओं को संरक्षण दिया गया व्यापारियों से चौथ वसूली हुई जहां कानून का इकबाल होता है वहीं उद्योग और निवेशक आकर्षित होते हैं- मा. पर्यटन मंत्री

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। आज मा.मंत्री पर्यटन व संस्कृति विभाग व जनपद प्रभारी मंत्री श्री जयवीर सिंह जी के जनपद आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा मंडलायुक्त श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, जिलाधिकारी श्री अरविंद मल्लप्पा बंगारी जी तथा जनपद के जनप्रतिनिधियों द्वारा सर्किट हाउस में पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात मा.जनपद प्रभारी मंत्री महोदय ने जनपद आगरा में पर्यटन विभाग की संचालित परियोजनाओं, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में सर्वप्रथम छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम की समीक्षा में बताया गया कि 141.89 करोड़ की राशि निर्मित किए जा रहे म्यूजियम की सभी बाधाएं दूर हो गई हैं जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदाई संस्था एवं टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के अधिकारियों को सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए थे। म्यूजियम में कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है, मा.मंत्री महोदय ने निर्देशित किया कि मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के अधिकारी कल बैठक कर तेज गति से कार्य पूर्ण करने की रूपरेखा तैयार कर प्रभावी मॉनिटरिंग करें, उन्होंने दिसंबर तक म्यूजियम के कार्य को पूर्ण करने को निर्देशित किया। बैठक में यूपीआरएनएन,उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आदि निर्माणदाई संस्थाओं के अधिकारियों ने पर्यटन विभाग के द्वारा कराए जा रहे कार्यों का विवरण देते हुए बताया कि कुल 26 कार्य प्रस्तावित हैं,09 कार्य हैंडओवर,11 कार्य प्रगति पर,06 कार्य प्रारंभ हुआ है,मा.मंत्री महोदय ने हैंडओवर कार्यों की सूची तलब की तथा जिलाधिकारी के स्तर से कार्य सत्यापन कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बटेश्वरनाथ मंदिर कॉम्प्लेक्स व घाट निर्माण, प्राचीन पवित्र कुंड, प्राचीन मंदिरों का हेरिटेज कंजर्वेशन कार्य, किए जा रहे हैं, मा.मंत्री महोदय ने निर्देश दिए कि एएसआई के समन्वय से कार्य कर प्राचीन मंदिरों को पुराने स्वरूप को यथावत रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा श्रद्धेय अटल जी की जयंती तक कार्य सुनिश्चित हो। बैठक में बताया गया कि शाहगंज में फूलेश्वर महादेव मंदिर, खेरागढ़ के दिगरोता स्थित रामजीराम बाबा मंदिर, राजामंडी में दरियानाथ मंदिर, कैलाश मंदिर, एत्मादपुर के रहनकला स्थित नगरकोट माता मंदिर सहित विभिन्न कार्य प्रगति पर हैं, मा. मंत्री महोदय ने बताया कि विभाग द्वारा 02 करोड़ रुपए जनपद में प्रमुख पर्यटन स्थलों, मंदिरों, स्मारकों, एग्जिट, एंट्री मार्गो पर साइनेज की स्थापना हेतु अवमुक्त किए गए हैं, सभी साइनेज की डिजाइन एप्रूव कर सभी जगह जल्द साइनेज स्थापना की जाए। कैलाश मंदिर कॉरिडोर की समीक्षा में निर्देश दिए कि बरसात आने से पूर्व ऐसे सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं जिनका बरसात से प्रभावित, लंबित होने की संभावना हो। मा. मंत्री महोदय ने बताया कि गुणवत्ता व समयबद्धता का हर दशा में पालन हो उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग के सभी कार्यों की थर्ड पार्टी जांच अब आईआईटी रुड़की द्वारा की जाएगी, गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत विकास कार्यों की समीक्षा की जिसमें गीत गोविंद वाटिका, फतेहपुर सीकरी व लालकिला में फसाड लाइटिंग, एंट्री गेट,सुभाष पार्क शहीद स्मारक आदि कार्यों की समीक्षा की तथा शहीद स्मारक पार्क में लाइट एंड साउंड शो में लिए जा रहे शुल्क को कम करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ये आमजन के लिए सुविधा प्रदान की गई है उसका सदुपयोग हो। समीक्षा बैठक के बाद मा. मंत्री महोदय ने पत्रकार वार्ता करते हुए बताया कि आज पांच वर्षो के लंबे इंतजार के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा एक बार फिर से शुरू हो गई है। इंदिरापुरम गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से 50 यात्रियों के पहले जत्थे को आज मैंने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है कुल ऐसे 15 जत्थे रवाना किए जाएंगे, आगरा जनपद के लोग भी इसका लाभ उठाएं, उन्होंने बताया कि यात्रियों के लौटने पर उनके खाते में 01 लाख रुपए सरकार द्वारा दिए जाएंगे ऐसा पहली बार होगा, मा. मंत्री महोदय ने कहा कि पूरे भारत के यात्रियों को कैलाश मानसरोवर जाने हेतु इंदिरापुरम गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से रवाना किया जाएगा ये उत्तर प्रदेश के लिए एक उपलब्धि है। ताजमहल को रात्रि में खोलने हेतु केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी से मुलाकात कर प्रयास जारी है लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के कृत्रिम प्रकाश का उपयोग कर ताजमहल को रात्रि में खोलने हेतु संभावना पर विचार किया जा रहा है, मा. मंत्री महोदय ने कहा कि शिवाजी महाराज के बाद महाराजा सूरजमल के विजय दिवस को आगरा किले में मनाए जाने पीछे ऐसे समाज और राष्ट्रनायकों को मुख्य धारा में लाना है, जिन्हें इतिहास में भुलाने का कार्य किया है अपने नायकों के सम्मान से समाज को प्रेरणा मिले, तुष्टिकरण के कारण जिन नायकों का सम्मान होना चाहिए उन्हें हाशिए पर लाया गया, हम अपनी विरासत को बचाने, गर्व करने हेतु कार्य कर रहे हैं। मा.मंत्री महोदय तत्पश्चात एमएसएमई, ओडीओडीपी के तत्वावधान में दो दिवसीय उत्तर प्रदेश उद्योग संवाद व उद्यम अवार्ड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में होटल ताज कन्वेंशन पहुंचे, जिसमें उत्तर प्रदेश के आठ प्रांतों के उद्यमी भाग लेंरहे हैं, कार्यक्रम में आगरा के विभिन्न उद्योंगो (पेठा, जूता, जरी, पर्यटन आदि) के विस्तार से चर्चा की गई, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा. मंत्री महोदय ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों, निवेशकों, स्टार्टअप, दुकानदारों के साथ है आज यूपी का वातावरण भी उद्योग स्थापना के अनुकूल है, निवेशकों की धारणा बदली है,2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में व्यापारियों उद्यमियों के साथ आमजन भी अपना धर्म राष्ट्रप्रथम मानकर कार्य करें, पहले की सरकारों में अपहरण, फिरौती उद्योग बन गए थे माफियाओं को संरक्षण दिया गया व्यापारियों से चौथ वसूली हुई जहां कानून का इकबाल होता है वहीं उद्योग और निवेशक आकर्षित होते हैं, योगी जी अपराधियों, माफियाओं की संपत्ति जब्त कर गरीबों के हित में लगा रहे, अब एक चौराहे से अपराध कर अगले चौराहे पर अपराधी पकड़ा जाता है,ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहली बार 40 लाख करोड़ के प्रस्ताव व ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 11 लाख करोड़ का अभूतपूर्व निवेश मिला,11 साल की मोदी सरकार से पहले कहां था आज कहां पर है, आज लंबी छलांग लगाकर देश जिनके हम गुलाम रहे उस इंग्लैंड से भी आगे चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। पहले हम सामरिक रक्षा उपकरण सामग्री हेतु दूसरों पर निर्भर थे आज ब्रह्मोश, आकाश मिसाइल दूसरों को निर्यात कर रहे। उन्होंने कहा कि आगरा एक ऐतिहासिक शहर है इसके विकास के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश 2014 में वैश्विक अर्थ व्यवस्था के 11 वें साथ पर था लेकिन केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के फलस्वरूप आज चौथे स्थान पर है। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन विभाग के माध्यम से अपनी धार्मिक सांस्कृतिक विरासत बचाने का कार्य कर रही है ऐसी कोई विधानसभा नहीं है जिसमें कम से कम एक कार्य न चल रहा हो,प्रदेश की सभी 403 विधानसभा में कार्य प्रगति पर है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थानों को जोड़ने के लिए 01 हजार करोड़ रुपये से कनेक्टिंग रोड बनाने का काम किया जा रहा है। प्रदेश सरकार प्रदेश के हैरिटेज स्थानों को विकसित करने के लिए पीपीपी मॉडल पर काम कर रही है और पर्यटन विभाग के राही गेस्ट हाउस को भी विकसित करने के लिए पीपीपी मॉडल पर काम कर रही है, जिसके तहत निवेशक को निवेश धनराशि का 25 से 30 प्रतिशत अनुदान के रूप में दे रही है। प्रदेश सरकार ने गजियाबाद के इंद्रापुरम में करोड़ों रुपए की लागत से मानसरोवर भवन का निर्माण कराया है, जिसमें 228 बैड, ऑडिटोरियम तथा 250 गाड़ियों की सुविधा के साथ ही अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। आज हमारा भारत देश आत्मनिर्भर बनाने की ओर बढ़ रहा है।हमारी प्रदेश सरकार ने व्यापारियों उद्योगपतियों को भयमुक्त करने साथ साथ लाल फीताशाही से भी मुक्त करने के लिय दृढ़ संकल्पित है। आगरा में जब कोर्ट द्वारा ताजमहल के 700 मीटर क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाई गई हमारी सरकार द्वारा प्रभावी पहल कर छोटे दुकानदारों को रोजी रोटी से वंचित नहीं होने दिया, सरकार आपके साथ है उत्तर प्रदेश आएं और विकसित भारत बनाने में सहभागी बनें।

कार्यक्रमों में राज्यसभा सदस्य श्री नवीन जैन, श्री राकेश गर्ग, चैयरमैन,उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम मा. विधायक जीएस धर्मेश जी, एमएलसी श्री विजय शिवहरे जी मंडलायुक्त श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, जिलाधिकारी श्री अरविंद मल्लप्पा बंगारी जी, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह, राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष अमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा-नई ऊर्जा, नया संकल्प..

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। विकसित भारत के अमृतकाल एवं सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर फतेहपुर सीकरी विधानसभा किरावली मंडल के गांव विद्यापुर में आयोजित %विकसित भारत संकल्प सभा% में सम्मिलित होकर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार की 11 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर उपस्थित जनता जनार्दन को संबोधित किया। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने सर्वांगीण और सर्व समावेशी विकास की नयी ऊंचाई को प्राप्त किया है। चाहे वह गरीब, किसान, महिला वर्ग के उत्थान के लिए कल्याणकारी योजनाएं हो या फिर आर्थिक विकास को गति देने हेतु आधारभूत संरचना का विकास या फिर वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना हर क्षेत्र में बड़े ही मजबूती से कार्य हुए हैं। इस अवसर पर मुख्यातिथि जिला अध्यक्ष प्रशांत पौनिया. जिला मंत्री देवेंद्र सिंह वर्मा अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष तेज सिंह उर्फ सरपंच मंच पर उपस्थित समाज सेवी भूप सिंह इंदौलिया दानिश क़ुरैशी युवा सभासद, हरिसिंह सूबेदार हरपाल नेताजी देवेश लवानिया पवन इंदौलिया, हाजी रहीस क़ुरैशी पूर्व जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा अनेक सिंह वर्मा शिव राज प्रधान डॉ राधेश्याम बघेल दीवान सिंह इंदौलिया. मंडल मीडिया प्रभारी देवेंद्र सिंह बंशीवाल. सलमान क़ुरैशी बूथ अध्यक्ष लोकेश चौधरी संतोष सिसोदिया, संतोष क्क्ष्पार्टी के वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्ता बंधु व समस्त ग्रामवाशी उपस्थित रहे।

संपादकीय

निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

सफलता ही नहीं बच्चों की असफलता के भी साथी बनें माता-पिता

(डॉ. फ़ौज़िया नसीम शाद-विभूति फीचर्स)

हर माता-पिता की यह स्वाभाविक इच्छा होती है कि उनके बच्चे पढ़ाई में अव्वल हों और अन्य गतिविधियों में भी सबसे आगे रहें। यह सोच सराहनीय है, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब बच्चा इन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाता। ऐसी स्थिति में माता-पिता को निराशा अवश्य होती है, परंतु इस परिस्थिति में उन्हें संयम और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर माता-पिता बच्चे की असफलता को सहजता से स्वीकार करें तो वह असफलता ही आगे चलकर सफलता का मार्ग बन सकती है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना आवश्यक है-

सफलता और असफलता को समझें

सफलता सभी को पसंद होती है, पर असफलता को कोई स्वीकार नहीं करना चाहता। लोग भूल जाते हैं कि असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है। इस सत्य को पहले माता-पिता को समझना चाहिए और फिर बच्चों को भी यह सिखाना चाहिए कि गिरकर उठना और फिर आगे बढ़ना ही जीवन है।

स्वीकारें असफलता की चुनौती को

अगर बच्चा असफल हो गया है तो यह संकेत है कि कहीं न कहीं कुछ कमी रह गई है- चाहे वह अध्ययन की रणनीति में हो, समय प्रबंधन में या मानसिक दबाव को संभालने में। ज़रूरत है उस कमी को पहचानने और उसमें सुधार करने की। यह प्रक्रिया स्वयं बच्चे के लक्ष्य की ओर एक बड़ा कदम बन सकती है।

असफलता से प्रेरणा लें, निराशा नहीं

बच्चे की असफलता को नकारात्मकता से नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण से देखें। यह सोचें कि अब किन गलतियों को दोहराना नहीं है और आगे क्या बेहतर किया जा सकता है। प्रेरणा और आत्म-निरीक्षण ही बच्चे को मजबूत बनाते हैं।

उपेक्षापूर्ण व्यवहार से बचें

हर माता-पिता को अपने बच्चे की क्षमता का अंदाज़ा होता है, फिर भी परीक्षा या प्रतियोगिता में पिछड़ने पर बच्चों की उपेक्षा करना, उन्हें डाँटना या दूसरों से तुलना करना बेहद अनुचित है। यह उनके आत्मबल को तोड़ देता है। याद रखें, हर बच्चा अलग होता है और उसकी सफलता की परिभाषा भी अलग होती है।

सहर्ष स्वीकारें-हर पहलू को

बच्चों की सफलताओं की तरह ही उनकी असफलताओं और कमज़ोरियों को भी खुले दिल से स्वीकारें। यही एक सच्चे माता-पिता की पहचान है। प्रेम, धैर्य और समझदारी के साथ बच्चों को मार्गदर्शन देना ही उनका संबल बन सकता है।

बच्चों की रुचियों को प्राथमिकता दें

अगर बच्चा आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरता है तो उसकी प्रशंसा करें। यदि नहीं भी उतरता, तब भी उसे समझें, उसकी रुचियों को जानें और उन्हें प्रोत्साहित करें। दोस्त बनकर उसकी समस्याएँ सुनें और उसे यह विश्वास दिलाएँ कि वह जैसा है, आप उससे वैसे ही प्रेम करते हैं।

अपेक्षाएँ दबाव न बनें

बच्चों से उनकी क्षमता से अधिक अपेक्षाएँ रखना उन्हें मानसिक तनाव और अवसाद की ओर धकेल सकता है। कई बार यह इतना बढ़ जाता है कि वे आत्मघाती कदम भी उठा लेते हैं। बच्चों को आपकी उपलब्धियों की नहीं, आपके प्रेम और समर्थन की ज़रूरत है-बिना शर्त, बिना मापदंड। अंततःबच्चों की

शब्द सामर्थ्य -080

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

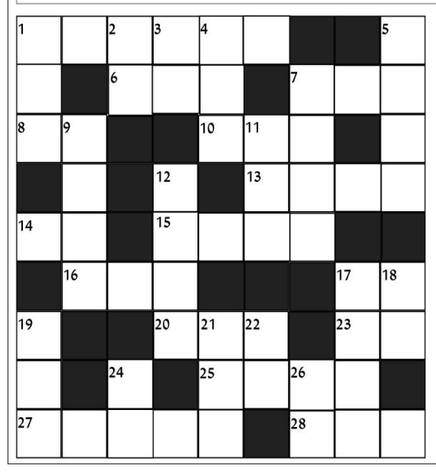

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 079 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

विमान हादसे पर सियासत क्यों ?

(डॉ. सुधाकर आशावादी -विनायक फीचर्स)

संसार में नित्य ही कुछ न कुछ ऐसा घटित होता रहता है, जिस कारण निरीह नागरिकों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। कभी प्राकृतिक आपदाएं व्यक्तियों का जीवन लीलती हैं, कभी भयंकर दुर्घटनाओं में पलक झपकते ही सैकड़ों जानें चली जाती हैं। कटु सत्य यही है कि जहाँ तक संभव हो, जानबूझकर कोई मृत्यु का वरण नहीं करता। ऐसे में स्पष्ट है कि कोई भी अनहोनी पूर्व सूचना देकर नहीं आती। वैसे भी यदि अनहोनी की सूचना पूर्व ही मिल जाए, तो अनहोनी से बचाव के उपाय किए जा सकते हैं , किन्तु नियति को क्या मंजूर होता है, यह कोई नहीं जानता। अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर का लंदन की उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त होना बेहद दुःख का विषय है। उच्च तकनीकी युग में लम्बी उड़ान के वायुयान का इस प्रकार से दुर्घटना ग्रस्त होना कि सभी यात्री एवं विमान के अनुभवी चालकों सहित क्रू मेंबर्स का काल के गाल में समा जाना गहन चिंता का विषय है। सर्वविदित है कि जलयान की लंबी व उबाऊ समुद्री यात्राओं की अपेक्षा लोग विमान यात्राओं को ही प्राथमिकता देते हैं। खासकर विदेश यात्राएँ वायुयान द्वारा ही सुगम सिद्ध होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उड़ानों के संचालन में पूर्ण सावधानी बरती ही जाती है, फिर भी ऐसी दुर्घटनाएं पीड़ित परिवारों को जीवन भर का दंश दे जाती हैं। ऐसा नहीं है कि इस दुर्घटना के कारणों की जांच नहीं होगी । जांच भी होगी तथा कारणों का खुलासा भी होगा, किन्तु जब हादसे की विभीषिका से परिवार उबर नहीं पा रहे हों, तब जांच से पूर्व ही कयास लगाकर अफवाहें फैलाकर राजनीतिक मंसूबों को हवा दी जाती है, तो लगता है, कि दुःख की घड़ी में भी कुछ लोग संवेदना व्यक्त करने की जगह मानवता को शर्मसार करने का अवसर नहीं चूकना चाहते। कौन नहीं जानता कि विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लंबी उड़ान भरने वाले वायुयानों का सुरक्षित यात्रा प्रदान करने का रिकॉर्ड रहा है। ऐसे में त्रुटिवश या अन्य किसी भी कारण से वायुयान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है तथा उसमें ढाई सौ से अधिक यात्रियों को मौत ने निगल लिया है, तो स्थिति को संभालने अपेक्षित प्रयास जरुरी होते हैं या सत्ता नायकों के त्यागपत्र मांगने की राजनीति करना ? निसंदेह विश्व में शायद ही ऐसा कोई अन्य देश होगा, जहां मानवीय संवेदनात्मक मुद्दों पर भी संकीर्ण राजनीति की जाती हो या किसी भी दुर्घटना के संदर्भ में आधारहीन अफवाहें फैलाने का कार्य बड़े पैमाने पर किया जाता हो। इस सत्य को प्रत्येक नागरिक को स्वीकार कर लेना चाहिए, कि जांच का निष्कर्ष दूध का दूध और पानी का पानी कर देगा, यदि कोई विमान हादसे का दोषी होगा, तो अवश्य ही भारतीय दंड विधान में उसके लिए सजा भी सुनिश्चित होगी। सो भविष्य में ऐसी विमान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव सावधानी बरतने के साथ ही क्यों न अतिरिक्त सावधानी बरती जाए, ताकि ऐसी हृदय विदारक स्थिति से बचा जा सके।

जब पिताजी थे

(डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

जब पिताजी थे
उनकी हिदायतें बुरी लगती थी
जैसे ऊँची उड़ानों से पहले ही
मेरे पर कतरती थी।
बार बार अलापते थे एक ही राग
बेटा.... जो निर्णय लेना हो
सोच समझकर लेना
नाहक ही भावनाओं में मत बहना ।
पिताजी की हर हिदायत
मेरे प्रयोगधर्मी चिंतन को
बहुत अखरती थी
मैं नित नए प्रयोग से
बाज नहीं आता था
वही करता था
जो मुझे सुहाता था
तथापि निष्कर्ष में
पिताजी को ही सत्य पाता था।
अब पिताजी नहीं रहे
किन्तु उनके अनुभव जनित सत्य
मुझे स्मरण हो आते हैं
कदम कदम पर
मेरा मार्गदर्शन कर जाते हैं।
लगता है
सदियों से यही सब दोहराया जा रहा है
पीढ़ियाँ बदलती हैं
दिवंगत पीढ़ियाँ छोड़ जाती हैं
आगत पीढ़ियों के लिए
अनुभव जनित निष्कर्षों का
अर्थपूर्ण इतिहास।
जिसकी छत्रछाया में
विचरण करती है वर्तमान पीढ़ी
और अपने कुछ विलग
अनुभव निष्कर्ष जोड़कर
लिखने लगती है नया अध्याय
अपनी आगत पीढ़ी को सौंपने के लिए।

राशिफल

मेष

आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अगर आप एक स्टूडेंट हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है कि आज आपको करियर से रिलेटेड कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कॉलेज में आपकी एक्टिविटी से आपके दोस्त खुश होंगे। आज आप शाम के समय किसी व्यक्ति से मिलेंगे और किसी इम्पोर्टेन्ट टॉपिक पर डिस्कस करेंगे। आज आपको किसी मामले में समझदारी से फैसला लेना होगा, क्योंकि यह आपके भविष्य में अड़चनें भी पैदा कर सकता है।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको काम को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह भी सकता है। जो लोग आपको अभी तक ताना दे रहे थे आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जायेंगे।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमाने का है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे। आपके जीवनसाथी आज जरूरत का सामान आपको गिफ्ट करेंगे। घर के कामों में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोग आज किसी सभा को आयोजित कर सकते हैं।

कर्क

आज का दिन आपके लिए ठीकठ्ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जायेगा। आज आपका जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। बच्चे आज आपको मन की बात बता सकते हैं।

सिंह

आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे। ऑफिस में आपके अच्छे काम को देखकर जूनियर आपकी ज्यादा रेस्पेक्ट करेंगे। जो लोग मार्केटिंग फील्ड से जुड़े हैं, उन्हें आज अच्छे क्लाइंट मिल सकते हैं।

कन्या

आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज का दिन आपके फेवर में रहने से आपको खुशी होगी जिस काम का रिजल्ट अभी तक आपको निराश कर रहा था उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आज संतान को खुश देखकर आपको भी खुशी होगी। आज आप घर के बड़े-बुजुर्गों का खास ख्याल रखेंगे आपको भी अच्छा लगेगा। फैमिली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च और खरीदारी करते समय संतुलन बनाकर चलना होगा, बचत की ओर खासतौर पर ध्यान देना होगा. सेहत के मामले में सावधान रहें।

तुला

आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस हैं। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, आपकी टेंशन कम होगी। घर खरीदने का प्लान बना रहे लोगों का प्लान आज कामयाब होने का योग बन रहा है। आज किसी के झगड़े झंझट में न पड़े, आपका नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनायेंगे। घर से निकलते समय माता जी से मिलकर ही निकलें जिससे आपका दिन अच्छा और खुशहाली भरा रहेगा।

धनु

आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी। आज की शाम परिवार के साथ बितायेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा। आपको माता-पिता के साथ किसी समारोह में जाने का मौका मिलेगा। आज शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को तरक्की के नये अवसर मिल सकते हैं। इस राशि की कामकाजी महिलाओं को ऑफिस में प्रोत्साहन मिलेगा।

मकर

आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी व्यक्ति से बातचीत करके खुशी मिलेगी साथ ही आप कुछ नया भी सीखेंगे। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे। आज आप किसी महत्वपूर्ण काम के लिए किसी की मदद मागेंगे, आपको निराश होने की जरूरत नही है आपका काम बन जायेगा। आज भावुकता में लिए गए किसी निर्णय के लिए आपको पछतावा हो सकता है। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा, आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा। आज किसी को दिए पैसे आपको मिल जायेंगे इससे आपको आर्थिक सपोर्ट मिलेगा साथ ही आप कुछ नया खरीदने का विचार करेंगे। आज कार्यस्थल पर आपको ज्यादा काम करना पड़ेगा लेकिन शाम का समय आपके लिए बेहतरीन साबित होगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मीन

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से करेंगे जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा। आज किसी काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपको खुशी होगी, शाम को किसी रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जा सकते हैं। आज बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना होगी, दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्ष

माता अहिल्याबाई होल्कर के स्वप्नों को साकार करती सरकार

(नेहा बग्गा-विभूति फीचर्स)

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से लेकर 2025 तक के 11 वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा, गति और व्यापकता मिली है। उनके शासन में न केवल महिलाओं के लिए योजनाएं बनाई गईं, बल्कि उन्हें नीति निर्माण, प्रशासन, खेल और समाज के हर क्षेत्र में भागीदारी देने का प्रयास भी किया गया। यह शासन शैली देवी अहिल्याबाई होल्कर जैसी दूरदृष्टि और न्यायप्रियता से प्रेरित लगती है - जिनका प्रशासन महिला कल्याण, सामाजिक न्याय और सेवा भावना का प्रतीक था।

महिला आरक्षण,निर्णय जो इतिहास बना

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम रहा। इस कानून के अंतर्गत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया। इस निर्णय ने दशकों से लंबित एक मांग को पूरा किया और लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने का सार्थक प्रयास किया।

महिला कल्याणकारी योजनाएं और उनका प्रभाव

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अनेक योजनाएं शुरू की गईं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिला।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ - बालिकाओं के अस्तित्व और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह अभियान 2015 में शुरू हुआ। इससे लिंगानुपात में सुधार और बालिका शिक्षा में वृद्धि देखी गई। उज्ज्वला योजना - गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए। इससे उनके स्वास्थ्य और समय की बचत हुई। जन धन योजना - महिलाओं को वित्तीय समावेशन के तहत बैंक खाते मिले, जिससे वे आर्थिक रुप से मजबूत हुईं। सुकन्या समृद्धि योजना- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक उच्च ब्याज दर वाली बचत योजना बनाई गयी जिसके परिणाम भी अब दिखाई देने लगे हैं।

मातृत्व वंदना योजना - इस योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य लाभ के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है । जिससे वे स्वयं स्वस्थ रहते हुए स्वस्थ संतान को जन्म दे सकें। सेवा और प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी- मोदी सरकार ने नौकरशाही, सैन्य सेवाओं और पुलिस बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है। अग्निपथ योजना के तहत महिलाओं को भी सैन्य सेवाओं में अवसर दिया गया। सीआरपीएफ और बीएसएफ में महिला बटालियनों की तैनाती की गई। मिशन कर्मयोगी के माध्यम से महिला अधिकारियों को प्रशासनिक कौशल में प्रशिक्षण और उन्नति के अवसर मिल रहे हैं। कई राज्यों में महिला पुलिस स्टेशन, महिला हेल्पलाइन और फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन महिला सुरक्षा

के उद्देश्य से किया गया है। खेलों में महिला शक्ति का उदय- प्रधानमंत्री मोदी ने खेलों में भी महिलाओं को प्रोत्साहित किया और उन्हें नारी शक्ति का प्रतीक कहा। मीराबाई चानू, पीवी सिंधु, साक्षी मलिक, लवलीना बोरगोहेन के साथ-साथ नई पीढ़ी की कई महिला खिलाड़ियों को हर मंच से सराहना मिली और उन्हें समर्थन मिला।

खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत महिला खिलाड़ियों को आर्थिक मदद, प्रशिक्षण और विश्वस्तरीय संसाधन प्रदान किए गए। देवी अहिल्याबाई की परंपरा का विस्तार- अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में नारी सम्मान, जनहित और धर्मनिष्ठ सेवा को सर्वोपरि रखा।

उन्होंने न केवल मंदिरों व सड़कों व धर्मशालाओं का निर्माण किया, बल्कि वंचितों को भी सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री का महिला सशक्तिकरण के प्रति दृष्टिकोण भी इसी परंपरा से मेल खाता है। ऑपरेशन सिंदूर- भारतीय महिलाओं के मान सम्मान का प्रतीक सिंदूर , पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले के विरुद्ध पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए एयर स्ट्राइक करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए साहसिक कदम उठाया जिसका वैश्विक मंच पर नारी सुरक्षा को बल मिला और देश के दुश्मनों को करारा जवाब दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि - ऑपरेशन सिंदूर नारी शक्ति का भी प्रतीक बन गया है।

हम सभी जानते हैं कि इस ऑपरेशन में बीएसएफ की भूमिका कितनी अहम थी। बीएसएफ की बेटियां जम्मू से लेकर पंजाब, राजस्थान और गुजरात की सीमा पर अग्रिम मोर्चे पर तैनात थीं। प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण एक सामाजिक आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है। यह केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक मानसिकता में बदलाव लाने का एक सशक्त प्रयास भी रहा। भारत की महिलाएं अब निर्णय की भूमिका में हैं - संसद से पंचायत तक, खेल मैदान से स्टार्टअप तक। यह युग महिला सशक्तिकरण का है - और इसमें नेतृत्व कर रही हैं वे महिलाएं, जिन्हें आजादी के 75 साल बाद एक निर्णायक मंच और आवाज मिली है।

किसान फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें : उप संचालक कृषि

किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग की सलाह

रीवा,कासं.। जिले के कृषकों को सलाह दी गई है कि वह डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरकों का प्रयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि डीएपी में केवल दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होते हैं। जबकि एनपीके उर्वरक से फसलों के लिए आवश्यक सभी तीन मुख्य पोषक तत्वों नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की उपलब्धता होती हैं।

इस प्रकार एनपीके उर्वरक से नत्रजन एवं स्फुर के अलावा पौधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व पोटाश की पूर्ति किसान भाई सफलतापूर्वक कर सकते हैं। अतः एनपीके उर्वरक का प्रयोग करने पर किसान भाईयों को अलग से पोटाश डालने की जरूरत नहीं पड़ती है व लागत में कमी आती है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है।

उप संचालक ने कहा है कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग लाभदायक होता है। डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके का उपयोग अधिक लाभदायी है। इससे जमीन को सल्फर की प्राप्ति होती है।

सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग खेत की तैयारी के समय किया जाता है। जिससे यह फसलों में अधिक कारगर रहता है। डीएपी में उपलब्ध 18 प्रतिशत नाइट्रोजन में से केवल 15 प्रतिशत नाइट्रोजन तथा 46 प्रतिशत फास्फोरस में से 39 प्रतिशत फास्फोरस पानी में घुलकर मिट्टी को प्राप्त होता है। शेष फास्फोरस मिट्टी में जमा हो जाता है जिससे मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घटती है। उप संचालक ने बताया है कि आगामी फसल में शंकर धान एवं शंकर मक्का के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश एनपीके खाद का उपयोग अधिक लाभकारी होगा। दलहन एवं तिलहन फसलों में 80:40:30 एनपीके तथा सल्फर का उपयोग लाभदायी होगा।

उप संचालक ने बताया है कि किसान नैनो तकनीक पर आधारित खाद का भी उपयोग कर सकते हैं। फसलों के लिए 20 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त नैनो यूरिया तथा 8 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 16 प्रतिशत फास्फोरस से युक्त नैनो डीएपी उपलब्ध है। इनके निर्धारित मात्रा में उपयोग से फसलों को संतुलित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। सामान्य तौर पर एक स्वस्थ पौधे में नाइट्रोजन की मात्रा 1.5 से 4 प्रतिशत तक होती है। फसलों की बढ़वार की स्थिति में इनमें नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पत्तियों में छिड़काव करने से पौधों को कारगर तरीके से नाइट्रोजन और फास्फोरस की उपलब्धता हो जाती है। इनके उपयोग से पैदावार में वृद्धि होती है तथा मिट्टी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर तथा नैनो डीएपी की 500 मिलीलीटर की बोतल जिस दाम में मिल रही है। वह खाद की आधी बोरी की कीमत के बराबर है। जबकि इसका असर एक बोरी खाद से भी अधिक है। इसलिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए अधिक लाभकारी है।

जल संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान में किये जा रहे प्रयास

रीवा,कासं.। रीवा और मऊगंज जिले में वर्षा जल को संचित करने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत पुराने जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के साथ-साथ नई जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ-साथ वर्षाकाल में वृक्षारोपण की भी तैयारी की जा रही है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि पीएचई विभाग द्वारा नल जल योजनाओं को चालू करने तथा पाइप लाइन की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने सहयोगी के साथ ग्राम तिलखन ठाकुर टोला में नल जल योजना में सुधार कराके पानी की आपूर्ति शुरू करायी। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम अगडाल में नल जल योजना का कार्य पूरा करके पीएचई विभाग ने उसे संचालन के लिए ग्राम पंचायत को हस्तांरित किया। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले भर में बड़ी संख्या में खेत तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। जनपद पंचायत रीवा की ग्राम पंचायत धोपखरी में दो खेत तालाब बनाये जा रहे हैं। इनका तकनीकी अधिकारियों ने निरीक्षण कर सात दिन में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। गंगेव विकासखण्ड में ग्राम पंचायत पडुआ में दो खेत तालाब तथा लालगांव में तीन खेत तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्राची चौबे ने सहायक इंजी. तथा उप यंत्री के साथ खेत तालाब का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य सात दिवस में पूरा कराने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत लालगांव में सूर्यनारायण मिश्रा, सुनील प्रताप सिंह तथा कपिलेश मिश्रा द्वारा खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र घूमा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वृक्षारोपण की तैयारी की जा रही है। औद्योगिक विकास निगम द्वारा वृक्षारोपण के लिए गढ्ढे तैयार किये जा रहे हैं। इसके साथ-साथ अभियान में प्राचीन जल स्त्रोतों की सफाई तथा अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह

रीवा,कासं.। . मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जिले में प्री मानसून वर्षा शुरू हो गई है। शीघ्र ही वर्षाकाल शुरू हो जाएगा। वर्षाकाल में दूषित जल के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस एवं हैजा जैसी बीमारियां फैलती हैं। अतः भोजन बनाने एवं पेयजल के उपयोग में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोयें। शुद्ध पेयजल की कमी के कारण देश में जलजनित रोगों से सबसे अधिक यानि लगभग 80 प्रतिशत मौतें होती हैं। पानी और अस्वच्छ आदतों से फैलने वाली बीमारियों में मोटे तौर पर दस्त, कृमि संक्रमण, त्वचा और आंखों के रोग, मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं। बच्चों में दूषित पानी और खाद्य पदार्थों के कारण उल्टी-दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग न करें। खुले में शौच न करें एवं शौचालय का उपयोग करें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें। हरी सब्जी एवं फलों को साफ पानी से धोकर ही उपयोग करें। मानसून के दौरान बहुत से लोगों को आंखो के रोग हो जाते हैं। इस रोग को आई-फ्लू, कंजक्टिवाईटिस या आखें आना के रूप में जाना जाता है। इस रोग से बचाव के लिए बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोयें, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग तौलिये एवं रूमाल का उपयोग करें, स्वच्छ पानी का उपयोग करें, बार-बार आंखों को हाथ न लगायें, धूप के चश्मे का प्रयोग करें, चिकित्सक को दिखायें।

बरसात में मलेरिया और डेगू रोग भी फैलता है जिसमें मरीज को ठण्ड लगकर बुखार आता है। प्रायः खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने का नाद इत्यादि में बरसात के दिनो में जल जमा हो जाता है। जिसमें मच्छर के लार्वा पैदा होते हैं जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते हैं। मलेरिया से बचाव हेतु घर के आसपास जल जमा न होने दें, रूके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑईल डालें। कूलर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। कीटनाशक का छिडकाव करवायें, मलेरिया रोग हो जाने पर खून की जांच अवश्य करायें एवं चिकित्सक की सलाह से पूर्ण उपचार लें।

जिले में अब तक 17.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज

रीवा,कासं.। जिले में अभी मानसून ने दस्तक नहीं दी है लेकिन मानसून पूर्व ही वर्षा शुरू हो गयी है। जिले में 14 जून की शाम और रात में तेज आधी के साथ कई स्थानों पर वर्षा हुई। जिले में कई स्थानों पर गाज गिरने की घटनाएं हुई। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि जिले में 15 जून को 7.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी। सर्वाधिक 31 मिली मीटर वर्षा गुढ़ तहसील में दर्ज की गयी। जिले में एक जून से अब तक 17.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी है। जिसमें तहसील हुजूर में 18.3 मिली मीटर, रायपुर कर्चुलियान में 13.5 मिली मीटर, गुढ़ में 32 मिली मीटर, सिरमौर में 41.6 मिली मीटर, त्योंथर में 4 मिली मीटर, सेमरिया में 23 मिली मीटर तथा जवा में 9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज गयी।

शासकीय आईटीआई में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

रीवा,कासं.। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रीवा में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एमपी ऑनलाइन के माध्यम से एक जून से प्रारंभ हो चुका है। प्राचार्य ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग हेतु आवेदन संभागीय आईटीआई रीवा में उपस्थित होकर हेल्प डेस्क के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते हैं। प्रवेश हेतु इच्छुक आवेदक www.dsd.mp.gov.in में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी की बैठक आज

रीवा,कासं.। जिला चिकित्सालय रीवा में गठित जिला रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी की बैठक 16 जून को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल करेंगी। सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा ने समिति के सभी सदस्यों तथा संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

कलेक्टर आज करेंगी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा

रीवा,कासं.। कलेक्ट्रेट सभागार में 16 जून को आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगी। बैठक सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान वृक्षारोपण की तैयारी तथा खाद्यान्न वितरण की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

खेल/व्यापार

संक्षिप्त समाचार

इक्विटी बाजारों में मंदी का असर म्यूचुअल फंड्स के इक्विटी प्रवाह पर

नई दिल्ली,ए.। बाजार में इक्विटी म्यूचुअल फंड के शुद्ध प्रवाह में गिरावट आई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया द्वारा जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार प्रबंधित इक्विटी म्यूचुअल फंड में मई महीने के दौरान 19,013 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अप्रैल में दर्ज 24,269.26 करोड़ रुपये के निवेश की तुलना में 22 प्रतिशत कम है। यह पिछले पांच महीनों में आई गिरावट है, अप्रैल की तुलना में सभी क्षेत्रों में निवेश में गिरावट देखी गई है। सक्रिय म्यूचुअल फंड्स के प्रबंधन अधिन परिसंपत्तियां मई में 4.85 प्रतिशत बढ़कर 72.2 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जबकि अप्रैल में यह 70 लाख करोड़ रुपये थी। म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल प्रवाह 29,108 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले महीने के डेट फंड्स में प्रवाह के कारण 2.76लाख करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ था।

इक्विटी बाजारों में मंदी का असर

सैमको म्यूचुअल फंड के सीईओ विराज गांधी कहते इक्विटी बाजारों में मंदी का असर मई 2025 में म्यूचुअल फंड्स के इक्विटी प्रवाह पर पड़ा, भू राजनीतिक चिंताओं, मुनाफावसूली और बाजार के रुख की वजह से इसमें गिरावट आई। पिछले महीनों में मजबूत प्रदर्शन के बाद ऊंचे मूल्यांकन ने निवेशकों को सतर्क रुख अपनाने के लिए प्रेरित तो किया है, जिसकी वजह से इक्विटी प्रवाह में उल्लेखनीय मंदी आई है। उनका कहना है एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के अनुसार इक्विट म्यूचुअल फंड प्रवाह में 21.66 प्रतिशत की तेज गिरावट आई, जो अप्रैल के आंकड़ों से 12 महीने के निचने स्तर 19,013.12 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस गिरावट के बाद भी सकारात्मक रुझान जारी है।

वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बन रहा भारत, एफडीआई में हुई 14 प्रतिशत की वृद्धि : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,ए.। भारत में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बरकरार है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत में 112 देशों से

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आ रहा है। साल 2013-14 में यह संख्या केवल 89 थी। उन्होंने वैश्विक स्तर पर निवेशकों के बीच भारत की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत दिया। गोयल ने कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता ने कारोबार के अनुकूल ऐसा माहौल बनाया है कि निवेशकों के लिए एक भारत आकर्षक गंतव्य बना गया है। एफडीआई राउंडटेबल को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

निवेशकों से मांगे सुझाव

उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की। भाटिया ने देश के भीतर पुनर्निवेश बढ़ाने, औद्योगिक पार्क के बुनियादी ढांचे में सुधार करने और नए अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने निवेशकों को सुझाव देने के लिए भी आमंत्रित किया।

बीसीसीआई ने भारतीय घरेलू क्रिकेट ढांचे में बड़े बदलावों का किया ऐलान

मुंबई,ए.। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025-26 घरेलू सत्र के लिए ढांचे में अहम बदलाव किए हैं और नए सत्र का पूरा कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। बीसीसीआई के मुताबिक अब दलीप ट्रॉफी एक बार फिर क्षेत्रीय टीमों के बीच खेली जाएगी, जिनका चयन जोनल चयनकर्ता करेंगे। वहीं, रणजी ट्रॉफी में प्लेट और एलीट ग्रुप से सिर्फ एक-एक टीम को पदोन्नत और अवनत किया जाएगा। यह कदम घरेलू क्रिकेट को और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उठाया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अब नॉकआउट की जगह सुपर लीग स्टेज होगा। ग्रुप स्टेज से क्वालीफाई करने वाली 8 टीमें 2 ग्रुप-ए और बी में बांटी जाएंगी। हर ग्रुप में 4 टीमें होंगी और सभी एक-दूसरे से मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुप की शीर्ष टीमें सीधे फाइनल खेलेंगी। यही नया प्रारूप सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी में भी लागू होगा। बीसीसीआई का मकसद खिलाड़ियों को ज्यादा मुकाबले खेलने का मौका देना है। विजय हजारे ट्रॉफी, सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी और पुरुष अंडर-23 स्टेट- ए ट्रॉफी में अब टीमों को पिछले साल की तरह नहीं बांटा जाएगा। 2024-25 तक इन टूर्नामेंटों में 8-8 टीमों के 3 और 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, लेकिन अब से 4 एलीट समूह और एक प्लेट समूह बनाया गया है। टीमों को उनके अंक, जीत और नेट रन रेट जैसे पैमानों पर रैंक करके इन समूहों में रखा गया है। जिन टीमों की रैंकिंग अंक, जीत और नेट रन रेट जैसे पैमानों पर सबसे कम रहती है, उन्हें सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में सीधे प्लेट समूह में भेजा जाएगा। नया घरेलू सत्र 28 अगस्त 2025 से दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा और 3 अप्रैल 2026 को सीनियर महिला अंतर-क्षेत्रीय मल्टी-डे ट्रॉफी के साथ समाप्त होगा। बीसीसीआई का यह सत्र लगभग 5 महीने लंबा होगा और पूरे देश में विभिन्न मैदानों पर आयोजित किया जाएगा।

ब्याज दरों में कटौती से एफपीआई का रुख बदला

नई दिल्ली,ए.। ब्याज दरों में कटौती के बाद विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपये डाले हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने 6 जून को ब्याज दरों में 50 आधार अंक की कटौती करने का फैसला किया। इस घोषणा ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को भारतीय बाजारों की तरफ आकर्षित किया।

इस्त्राइल-ईरान संघर्ष बढ़ने से माहौल फिर बिगड़ा

9 जून से 13 जून तक सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों में एफपीआई का मजबूत प्रवाह हुआ। हालांकि, सप्ताह के अंत में इस्त्राइल-ईरान के बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों को चिंता में डाला। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 3,275.76 करोड़ रुपये निकाले। इस बड़ी बिकवाली के कारण सप्ताह के लिए शुद्ध निवेश का आंकड़ा घटकर 3,346.94 करोड़ रुपये रह गया।

वैश्विक तनाव घरेलू बाजार में भी बढ़ा रहा चिंता

सप्ताह के दौरान सकारात्मक प्रवाह के बावजूद, जून के लिए कुल मिलाकर एफपीआई निवेश की प्रवृत्ति नकारात्मक बनी हुई है। एनएसडीएल की आंकड़ों के अनुसार, जून में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों से 5,402 करोड़ रुपये निकाले हैं।

2025 में अब तक मई में रहा अच्छा प्रदर्शन

इससे पहले मई में शुद्ध एफपीआई प्रवाह सकारात्मक रहा और 19,860 करोड़ रुपये रहा।

टेस्ट क्रिकेट: इंग्लैंड में भारत के खिलाफ इन बल्लेबाजों ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

नईदिल्ली,ए.। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की धरती पर भारतीय गेंदबाजों को कई दिग्गज बल्लेबाजों ने कड़ी चुनौती दी है। समय-समय पर कुछ बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ जमकर रन बनाए और भारतीय क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ाई हैं। अब जब 20 जून से भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है तो आइए नजर डालते हैं उन बल्लेबाजों पर जिन्होंने इंग्लैंड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट हैं। उन्होंने इंग्लैंड में भारत के खिलाफ पहला मुकाबला साल 2014 में खेला था। इस खिलाड़ी ने अब तक 15 मुकाबले खेले हैं और इसकी 25 पारियों में 74.95 की उम्दा औसत के साथ 1,574 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 7 शतक और 5 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 180* रन है। भारतीय गेंदबाजों के लिए इस बार भी रूट बड़ी चुनौती होंगे। इस सूची में दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक हैं।

उन्होंने भारत के खिलाफ इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट 2007 में खेला था और आखिरी बार 2018 में मैदान पर उतरे थे। कुक ने 17 मैचों की 28 पारियों में 44.29 की औसत से 1,196 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 5 अर्धशतक निकले। उनका सर्वोच्च स्कोर 294 रन रहा, जो आज भी यादगार है। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज ग्राहम गूच हैं, जिन्होंने अपने दौर में भारत के खिलाफ इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 17 पारियों में 66.70 की उम्दा औसत से 1,134 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 4 अर्धशतक जड़े थे। 1990 में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेली गई उनकी 333 रन की ऐतिहासिक पारी आज भी टेस्ट इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर में गिनी जाती है। चौथे स्थान पर इंग्लैंड के तकनीकी रूप से बेहद दक्ष बल्लेबाज रहे इयान बेल का नाम आता है। उन्होंने भारत के खिलाफ इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 52.15 की औसत से 991 रन बनाए थे। इस दौरान उनके खाते में 3 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे। बेल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 235 रन था।

टेस्ट क्रिकेट : रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन?

नईदिल्ली,ए.। टेस्ट क्रिकेट में रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ प्रदर्शन हमेशा चर्चा में रहा है। गेंद और बल्ले दोनों से उन्होंने कई अहम मौकों पर भारतीय क्रिकेट टीम को फायदा पहुंचाया है।

अब 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है, ऐसे में जडेजा एक बार फिर अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं। ऐसे में आइए इंग्लैंड के खिलाफ उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा ने पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था। उन्होंने अब तक 20 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 37 पारियों में 32.57 की औसत से 70 विकेट लेने में सफल रहे हैं। इस स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी ने इस दौरान 2 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका इस टीम के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/48 का रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम (93) के बाद सबसे ज्यादा विकेट इंग्लैंड के खिलाफ ही लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा ने 20 टेस्ट मैचों की 33 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 33.25 की औसत से 1,031 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 2 शतक और 6 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 112 रन रहा है। जडेजा ने अपने टेस्ट करियर में सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ ही 1,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके बल्ले से 705 रन निकले हैं।

इंग्लैंड में जडेजा ने पहला टेस्ट साल 2014 में खेला था। उन्होंने वहां 12 मुकाबले खेले हैं और इसकी 21 पारियों में 43.48 की खराब औसत से सिर्फ 27 विकेट लिए हैं। उनके नाम एक भी 5 विकेट हॉल नहीं है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/79 का रहा है। बल्लेबाजी में जडेजा ने 23 पारियों में 29.18 की औसत से 642 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 शतक और 13 अर्धशतक निकले हैं।

पॉश कॉलोनी संतुष्टि में कुप्रबंधन की खुली पोल, सीवर चेम्बर में गिरने से मासूम बालिका की मौत

चार घंटे से अधिक समय तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बरामद मृत बालिका का शव, आक्रोशित महिलाएं सड़कों पर उतर आईं, दीवान परिवार एवं विधायक के खिलाफ लगाए मुर्दाबाद के नारे

शिवपुरी। कोतवाली थाना क्षेत्र में शहर के रसूखदार दीवान परिवार की पॉश कही जाने वाली संतुष्टि कॉलोनी में कल रात हुए एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय मासूम बालिका उत्सविका की दर्दनाक मौत हो गई। मासूम बालिका जब बच्चों के साथ खेल रही थी उसी दौरान सीवर चेम्बर के टूटे हुए ढक्कन पर उसका पैर पड़ा जिससे ढक्कन टूट गया और बालिका 15 फिट गहरे लबालब भरे सीवर चेम्बर में गिर गई। हालांकि उसके साथ मौजूद एक 8 वर्षीय बालिका ने किसी तरह हाथ पकड़ कर उत्सविका को बचाने की कोशिश की लेकिन उसका हाथ छूट गया और उत्सविका सीवर चेम्बर में समा गई। चार घंटे से अधिक समय तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उत्सविका को चेम्बर में से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उत्सविका को तुरंत इलाज के लिए मेडीकल कॉलेज ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि यह पूरी तरह से लापरवाही का मामला है। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद प्रमोटर अर्जुन दीवान के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कर लिया है। पूरे हादसे की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। इस हादसे के बाद इलाके में मातम का माहौल व्याप्त हो गया और मृत बालिका उत्सविका की माँ का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने संतुष्टि कॉलोनी के मालिक अर्जुन दीवान और एक अन्य व्यक्ति नीरज जैन पर लापरवाही का मामला दर्ज किया है। सीवर चेम्बर में गिरने के कारण मासूम बालिका उत्सविका की मौत के बाद संतुष्टि कॉलोनी की महिलाएं आक्रोशित होकर सड़क पर उतर आई और महिलाओं ने दीवान परिवार मुर्दाबाद के नारे जमकर लगाए। महिलाओं ने दीवान परिवार की मानवीयता पर भी सवाल खड़े किए और चिल्ला-चिल्ला कर कहा कि बच्ची की मौत के बाद भी दीवान परिवार का कोई भी व्यक्ति संवेदना व्यक्त करने के लिए यहां नहीं आया था। जबकि जिस बच्ची को परिवार ने खोया है वह परिवार उन्हीं की कॉलोनी में निवास करता है और दिवंगत बालिका भी दीवान परिवार के स्कूल हैप्पीडेज में अध्ययन करती थी। महिलाओं का आरोप है कि हमारी बच्ची का कत्ल किया गया है। जबकि पुलिस ने मामूली धाराओं में मामला कायम किया है। इसके बाद महिलाओं ने एबी रोड पर जाम लगा दिया। ग्वालियर वायपास पर कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पहुंच गए थे। बताया जाता है कि सीवर चेम्बर के आस पास घास लगा दी गई थी और सीवर चेम्बर में लोहे का जर्जर ढक्कन लगा हुआ था। सीवर चेम्बर 12 से 15 फिट गहरा था। बताया जाता है कि पार्क में बच्चे खेल रहे थे और उन्हें पता नहीं था कि वह मौत के नजदीक जा रहे हैं। बताया जाता है कि उत्सविका जैसे ही उस चेम्बर के पास पहुंची वैसे ही जर्जर ढक्कन टूट गया और वह चेम्बर में समाने लगी। उसे गिरते देखकर उसकी सहेली ने हाथ पकड़कर उसे चेम्बर से खींचने की कोशिश की। लेकिन सीवर के भीतर जमा गंदगी और दलदल में धंसती उत्सविका का हाथ कुछ ही पलों में छूट गया और वह पूरी तरह चेंबर में समा गई। हादसे के फौरन बाद भव्या ने चीखते हुए परिजन को बुलाया। परिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे और चीख-पुकार मच गई। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, नगर पालिका की टीम और सीवर सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंचे। तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

उत्सविका की मां टैंक के पास ही बेसुध बैठी रही

रेस्क्यू ऑपरेशन में नगर पालिका टीम और एसडीईआरएफ टीम की दो मशीनों के अलावा आसपास की दो और नगर परिषदों से मशीनें मंगवाई गईं। चेंबर की गहराई करीब 15 फीट है, जिसमें गंदा पानी, कीचड़ और कचरे की मोटी परत जमी थी। मलबा हटाने के बाद देर रात 12:40 बजे उत्सविका का शव बरामद किया गया। इस दौरान मां पास ही बेसुध बैठी रही। उन्हें आस थी कि उनकी बेटी जीवित होगी, लेकिन, रात 12:40 बजे शव मिलने के बाद सारी उम्मीदें टूट गईं। प्रशासन ने पहले से बच्ची को मेडिकल कॉलेज तक तत्काल पहुंचाने की तैयारी कर रखी थी। एम्बुलेंस और पुलिस की गाड़ी स्टार्ट करके रखी गई थी। बच्ची को निकालते ही उसे फौरन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सोसायटी कमेटी की लापरवाही पर उठे सवाल

परिजन और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हादसा संतुष्टि अपार्टमेंट सोसाइटी कमेटी की लापरवाही का नतीजा है। रहवासियों ने बताया कि सीवर चेंबर की हालत खराब थी। कई बार शिकायत की, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। घटना के बाद लोगों में गुस्सा हैं। लोग अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था और खराब मेंटेनेंस को लेकर नाराज हैं। सभी लोग कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली भी पहुंचे। रहवासी प्रमोटर अर्जुन दीवान की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि चेंबरों को सही करवाने के लिए दो माह से मैनेजमेंट के वॉट्सएप ग्रुप में मैसेज डाले जा रहे थे।

निर्माणाधीन ओवरब्रिज भरभरा कर गिरा, 6 मजदूर घायल, पीडब्ल्यूडी विभाग मामले को रफा-दफा करने में लगा

-घायल मजदूरों ने खोली पोल

शिवपुरी। पोहरी रोड पर रेलवे लाइन के ऊपर बनाए जा रहे निर्माणाधीन ओवरब्रिज का हिस्सा कल रात अचानक भरभरा कर गिर गया। जिससे वहां काम कर रहे 6 मजदूर घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जाता है कि घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के चलते यह दुर्घटना घटित हुई है। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग इसे रफा दफा करने में जुटा हुआ है। दुर्घटना के बाद विभाग ने प्रेस बयान जारी किया है कि 13 जून की शाम को अनुविभागीय अधिकारी द्वारा स्लेब में क्रेक्स पाए गए जिसके उपरांत ठेकेदार को लिखित में स्लेब तोडऩे का आदेश दिया गया और ठेकेदार ने उपयंत्री की उपस्थिति में 14 जनवरी की रात्रि 12 बजे स्लेब को डिस्मेंटल किया। लेकिन ओवरब्रिज ढहने से 6 मजदूर कैसे घायल हो गए यह पीडब्ल्यूडी ने स्पष्ट नहीं किया है। बल्कि उन्होंने यह भी कहा है कि कोई मजदूर घायल नहीं हुआ है। जबकि घायल मजदूरों के फोटो सामने आए हैं जो विभाग की गलत बयानी को बताने के लिए काफी हैं।

विदित हो कि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा चुनाव से पहले जनसुविधा को देखते हुए पोहरी रोड़ पर रेलवे ओवरब्रिज बनाने के लिए फण्ड स्वीकृत कराया जिसके चलते पोहरी हाईवे स्थित न्यू बस स्टैंड रेलवे क्रॉसिंग पर 80 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। शनिवार रात करीब 12:10 बजे मजदूर ओवरब्रिज पर वाइब्रेटिंग और कॉन्क्रीट भरने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ब्रिज का निर्माणाधीन हिस्सा नीचे गिर गया। मजदूर भी नीचे आ गिरे। हादसे के दौरान कोई मजदूर पुल के निचले हिस्से में मौजूद नहीं था। साइट इंजीनियर प्रवीण पांडे ने तकनीकी गलती तो स्वीकार करते हुए बताया, कैपेसिटी से ज्यादा वाइब्रेटिंग कर दी गई थी, जिससे ब्रिज का हिस्सा असंतुलित होकर गिर गया। ओवरब्रिज का निर्माण 6 माह से चल रहा था। इसकी लंबाई 757 मीटर है। इसका 15 मीटर का हिस्सा ढह गया। कोतवाली टीआई कृपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। संबंधित निर्माण एजेंसी को सूचना दी गई है और हादसे की तकनीकी जांच कराई जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत का सपना प्रत्येक भारतीय का सपना : जिला महामंत्री बिरथरे

शिवपुरी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत चंहु ओर तरक्की कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक ऐसे राष्ट्र की और अग्रसर है जहां लगभग हर देशवासी को शिक्षा, स्वस्थ, सुरक्षा और अनेकानेक अवसर प्राप्त हो रहे है जो आत्मनिर्भर भारत, हरित तकनीक, सामाजिक समावेशन और सतत आर्थिक विकास इसके प्रमुख आधार है जो पिछले 11 सालों में हमारे प्रधान सेवक के अथक प्रयासों से प्राप्त हुए है। हमारे प्रधान सेवक का दृढ़ संकल्प है कि हमे मिलकर केवल शब्दों तक समिति नही रहना बल्कि 2047 तक इसको वास्तविक बनाना है। यह बात भाजपा जिला महामंत्री सोनू बिरथरे ने पीएस होटल में नगर मंडल शिवपुरी द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के अमृतकाल- सेवा, सुशासन, व गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर भारत संकल्प सभा के दौरान कही।

नगर मंडल अध्यक्ष शिवपुरी विपुल जैमनी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत का अमृतकाल- सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। यह नया भारत है जिसकी वैश्विक मंच पर सराहना होती है, जो दुश्मन को घर में घुसकर सबक सिखाता है, जहां सुदूर क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंच रही हैं। मंच संचालन कर रहे नगर मंडल महामंत्री रितेश जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के दौरान विकसित भारत की कल्पना साकार होते दिखाई दे रही है। विकसित भारत वह है जहां नागरिकों का जीवन स्तर ऊंचा हो, अवसर समान हो और देश वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हो और यह सब मोदीजी के नेतृत्व में विगत 11 सालों में साफ-साफ दिखाई दे रहा है। कार्यालय मंत्री डॉ राकेश राठौर ने कहा कि अब वो दिन दूर नहीं जब विकसित भारत का स्वप्न साकार होगा यानी 2047 में जब हम आजादी के 100 वे साल में प्रवेश करेंगे, तब भारत एक पूर्ण विकसित राष्ट्र होगा और हम सब उस क्षण के साक्षी बनेंगे। श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अध्यक्ष अमित भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों,वंचितों और पिछड़ों की अपेक्षाऐं पूरी हो रही है, महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिल रहा है, युवाओं की आशाऐं पूरी हो रही है, किसान सशक्त हो रहा है,भारत विकसित बनने की दिशा में लगातार आगे बड़ रहा हैआपके दूरदर्शी व ऐतिहासिक निर्णयों से भारत सक्षम, सशक्त, स्वाभिमान युक्त और आत्मनिर्भर भारत बन रहा है,विकसित भारत की संकल्पनाऐं पूर्ण होते साफ दिख रही है। कार्यक्रम के बाद मौजूद लोगों, कार्यकर्ताओं से संकल्प पत्र भरवाए गए। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुन्नालाल कुशवाहा, जिला भाजपा मंत्री सरोज धाकड़, नगर मंडल महामंत्री बबीता जाटव सहित पार्षद, भाजपा कार्यकर्ता तथा नगरवासी मौजूद रहे।

अपहरण कर दो लाख रुपए की फिरौती मांगने वाले 4 अपहरणकर्ता गिरफ्तार

शिवपुरी। पोहरी थाना पुलिस ने अपहरण कर फिरौती के रूप में दो लाख रुपए की मांग करने वाले चार अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। विदित हो कि सोनीपुरा ग्राम निवासी पीतम जाटव पुत्र स्व. नकुला जाटव उम्र 55 साल ने पोहरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 10 जून 2025 को दोपहर करीबन 3 बजे अपहरणकर्ता मकान बनाने का ठेका देना की बोल कर मेरे लडके विनोद जाटव का अपहरण कर दो लाख रुपये की मांग कर रहे हैं जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपीगण के खिलाफ थाना पोहरी पर अप.क्र. 166/25 धारा 140(2) बी.एन.एस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पोहरी थाना प्रभारी रजनी सिंह चौहान के द्वारा विनोद के मोबाइल को सर्विलेंस पर लिया, टावर लोकेशन सुनारी चौकी अर्तगत ग्राम सड की मिलने पर मात्र 12 घण्टे में अपहृत को आरोपीगणो से मुक्त कराया दिनांक 14.06.2025 को मुखविर की सूचना प्राप्त हुई कि अपहरण करने वाले आरोपीगण मोहित जाटव के हार ग्रम सड़ में छुपे हुये है आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु मय फोर्स के दविस दी प्रकरण के चार आरोपीगण मोहित जाटव पुत्र रामदास जाटव उम्र 25 साल निवासी ग्राम सड़ थाना करैरा, विनोद अहिरवार पुत्र रामस्वरूप अहिरवार उम्र 35 साल निवासी होमगार्ड कॉलोनी थाना कोतवाली जिला दतिया, अनिल अहिरवार पुत्र ठाकुरसाद अहिरवार उम्र 27 साल निवासी ग्राम छोटी बड़ौनी थाना बड़ौनी जिला दतिया, जयराम अहिरवार पुत्र मनमोहन लाल अहिरवार उम्र 28 साल निवासी रेलवे स्टेशन के पीछे रामनगर थाना कोतवाली जिला दतिया को जुर्म स्वीकार करने से गिरफ्तार किया एवं आरोपीगणों ने पूछताछ में बताया कि मोहित जाटव की बहिन को अहीर मारोरा का लड़का भगाकर ले गया था और आरोपीगणों को ऐसी शंका थी कि विनोद जाटव (अपहृत) ने मोहित की बहिन को भगाने में सहयोग किया है जिस पर आरोपीगणों द्वारा घटना कारित की थी आरोपी विनोद अहिरवार के कब्जे से घटना में प्रयुक्त होंडाई कंपनी की ईओन गाड़ी यूपी 93बीएच 2163 कीमती करीबन 03 लाख को जप्त किया गया आरोपीगण के द्वारा अपहृत की मारपीट की विडियो बनाई थी उस मोवाईल कीमती करीबन 10 हजार रूपये को भी जप्त किया गया प्रकरण में पांच अन्य आरोपीगण फरार है जिनकी गिरफ्तारी के प्रयाश किये जा रहे है गिरफ्तार शुदा आरोपीगणो का जेआर तैयार कर माननीय न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया।

100 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी। करैरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 100 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। करैरा थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई के अनुसार आज मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक ब्यक्ति गणेश मंदिर के पास महुअर नदी के किनारे दो नीले रंग की प्लास्टिक की केनों मे शराब भरे हुये किसी बाहन के इंतजार मे खडा है। मुखबिर के बताये स्थान पर तस्दीक हेतु पहुंचे तो एक व्यक्ति दो नीले रंग की कैनों को रखे हुआ दिखा जो पुलिस को पास आते देखकर भागने लगा जिसे हमराही फोर्स की मदद से पकडा उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम सुभाष जाटव पुत्र रमेश जाटव उम्र 28 साल निवासी ग्राम फतेहपुर हाल आईटीबीपी गेट नम्बर 04 के पास करैरा थाना करैरा जिला शिवपुरी का होना बताया तब आरोपी के कब्जे से दो नीले रंग की प्लास्टिक की कट्टी जिसमे 100 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जिसकी कीमत 15 हजार रुपये को विधिवत जप्त किया आरोपी सुभाष को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुध्द अपराध क्रमांक 476/25 धारा 34(2) आबकरी एक्ट का पंजीबध्द किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी करैरा निरी0 विनोद छावई, उनि बीआर पुरोहित, आर हरेन्द्र गुर्जर, राधेश्याम जादौन, सुरेन्द्र रावत, मत्स्येन्द्र गुर्जर की मुख्य भूमिका रही है।

एसपी राठौड़ ने देहात थाने एवं समस्त एसडीओपी ने किया विभिन्न थानों सहित रात्रि गश्त का औचक निरीक्षण

शिवपुरी। पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों व अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए रात्रि गश्त एवं देहात थाने का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं 14- 15 जून की रात्रि में जिले के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों के द्वारा रात्रि के समय जिले के थानों का औचक निरीक्षण किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के द्वारा रात्रि के समय थाना देहात पहुंचकर थाने का औचक निरीक्षण किया। इसी तारतम्य मे एसडीओपी शिवपुरी संजय चतुर्वेदी द्वारा थाना सुभाषपूरा, एसडीओपी करैरा शिवनारायण मुकाती के द्वारा थाना करैरा, एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के द्वारा थाना पिछोर एवं एसडीओपी अजाक अवनीत शर्मा जी के द्वारा थाना तेंदुआ का औचक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा रात्रि गश्त को चैक करते हुये थानों का औचक निरीक्षण किया गया है। थानों का आकस्मिक निरीक्षण के दौरान थाना पर उपस्थित बल के साथ थाने का भ्रमण किया साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। इसके बाद थाना की हवालात चैक किया कोई आरोपी नहीं पाया गया न ही कोई व्यक्ति थाना पर बैठा पाया गया। वहीं थाना के महत्वपूर्ण रजिस्टर अपराध, मर्ग, गुम इन्सान, माइक्रो बीट, मेडीकल, गुण्डा, निगरानी रजिस्टर चेक किया। तथा थाना पर लम्बित अपराध, चालान, मर्ग, गुम इन्सान के शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए एवं लम्बित गिरफ्तारी वारंट, स्थाई वारंट तामील कराने के निर्देश दिए गए।थाना पर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त आदेश निर्देशो का पालन कराने का बताया गया। रात्रि गश्त अधिकारी को ठीक ढंग से गस्त करने का निर्देश दिया गया। सीसीटीएनएस सिस्टम चेक किया गया, सारे ऐप सक्रिय पाये गए एवं निरीक्षण रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

सतनवाड़ा एवं सुरवाया पुलिस ने फर्जी तरीके से भर्ती कराने वाले मीडिएटर आरोपी को किया गिरफ्तार

शिवपुरी। सतनवाड़ा एवं सुरवाया थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 18वीं बटालियन में फर्जी तरीके से भर्ती कराने वाले मीडिएटर आरोपी राजकुमार पासवान को ग्राम मथुरापुरा थाना नूरसराय बिहार से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 24 मई 2025 को कार्यालय सेनानी 18वी वाहिनी विसबल शिवपुरी म0प्र0 के पत्र क्रं./18 बटा/विसबल/स्था/917/2025 दिनाकं 24/05/2025 के पालन में आरोपी अंकेश रावत पुत्र भूरा सिंह रावत उम्र 23 साल निवासी ग्राम जतरथी पोस्ट रिछारी कलां थाना करहिया तहसील भितरवार जिला ग्वालियर के विरुद्ध थाना सतनवाडा पर अपराध क्रमांक 88/2025 धारा 420,419 भादवि. परीक्षा अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना धारा 467,468,471,120बी भादवि. इजाफा की गई। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड, उप पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के निर्देशन एवं कुशल मार्गदर्शन में थाना सतनवाडा, थाना सुरवाया, थाना बम्हारी जिला शिवपुरी पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए दिनांक 14/06/2025 को फर्जी भर्ती कराने वाले मीडिएटर आरोपी राजकुमार पासवान पुत्र यदु पासवान आयु 40 साल निवासी ग्राम मथुरापुरा थाना नूरसराय बिहार को आरोपी के घर ग्राम मथुरापुरा थाना नूरसराय बिहार से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय शिवपुरी में पेश किया गया।

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग श्योपुर (म.प्र)
Web: - page: www.mppwd.nic.in E-mail:- eepwdsheopur@mp.nic.in
क्रमांक.1365/टे.लि./2025-26 श्योपुर दिनांक 13/06/2025

" निविदा आमंत्रण सूचना "

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु **सइक अनुसूची प्रभावशील दिनांक 11.04.2025** निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेंडरिंग पद्धिति द्वारा ऑनलाइन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यो का विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा। वेबसाईट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नही होगा।

स. क्र.	ई-टेण्डर क्र.	एन.आ ई.टी. क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि लाख में	ई.एम.डी की राशि रू. में	निविदा डॉक्यूमेंट की राशि रू. में	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2025_PWDRB_430604_pack1	13	Sheopur	Construction Of Road Sarjupura to Malipura Road Length 3.20 K.M. Under Sub Division Sheopur i/c Pole Shifting	324.97	324970	15000	08 Month i/c Rainy Season
					324.97			

1. ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक 13.06.2025 समय 10:30 बजे।
2. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र विक्रय प्रारंभ दिनांक 14.06.2025 समय 11:00 बजे।
3. ऑनलाइन बिड सबमिशन प्रारंभ दिनांक 14.06.2025 समय 11:00 बजे।
4. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र विक्रय/डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 03.07.2025 समय 17:30 बजे।
5. ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक 03.07.2025 समय 18:00 बजे।
6. टेक्निकल बिड खोलने का दिनांक 04.07.2025 समय 11:00 बजे।
7. प्राईस बिड ओपनिंग दिनांक 10.07.2025 समय 11:00 बजे।

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगें। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

(इंजी. विष्णुभगवान अग्रवाल)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि संभाग श्योपुर (म0प्र0)
(मो. 7417819890)

इंदौर को हराकर चंबल ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, वेंकटेश फिर रहे फीके

ग्वालियर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में चंबल घड़ियाल्स ने इंदौर पिंक पैंथर्स को 43 रनों से हरा दिया है। ये जहां चंबल की लगातार दूसरी जीत है तो वहीं विजयी शुरुआत के बाद इंदौर को अगले ही मैच में हार का मुंह देखना पड़ा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए चंबल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और छह विकेट के नुकसान पर 207 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंदौर 164 रन ही बना सकी। पिछले मैच में शानदार अर्धशतक लगाने वाले अंकुश सिंह आज कुछ खास नहीं कर सके और दो चौके लगाने के बाद दूसरे ओवर में ही आउट हो गए। इसके बाद अपूर्व द्विवेदी और कप्तान शुभम शर्मा ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 50 रनों की तेज साझेदारी की। अपूर्व 17 गेंदों में 33 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। शुभम ने 42 गेंदों में 48 रनों का योगदान दिया। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले हरप्रीत सिंह भाटिया ने लगातार दूसरे मैच में कमाल किया। भाटिया ने धीमी शुरुआत के बाद अच्छे शॉट्स लगाए और 39 गेंदों में 57 रनों की पारी खेली। अमन भदौरिया ने चंबल की पारी को अंत में वो रफ्तार दी जिसकी उन्हें सख्त जरूरत थी। उन्होंने पांच छक्के लगाते हुए केवल 12 गेंदों में ही 35 रन बना दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंदौर को अर्पित गौड़ और अक्षत रघुवंशी ने तेज शुरुआत दिलाई थी। दोनों ने मिलकर पावरप्ले में 60 रन बटोरे। हालांकि, पावरप्ले खत्म होते ही अगले ही ओवर में अर्पित 13 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए। रघुवंशी ने शुरुआत में मिले जीवनदान का फायदा लेते हुए 31 गेंदों में 48 रनों की पारी। इंदौर के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने एक बार फिर अपने चाहने वालों को निराश किया और 10 गेंदों में केवल 10 रन ही बना सके। 13वें ओवर में वेंकटेश जब आउट हुए तब इंदौर का स्कोर 108 रन था। अंकुर चौहान ने 17 गेंदों में 32 रनों की पारी खेलकर टीम की हालत सुधारने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। पिछले मैच में चार विकेट लेने वाले आर्यन पांडे ने इस मैच में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 26 रन खर्च किए और दो विकेट चटकाए। अमन भदोरिया और राज डाबी ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए।

विकलांग बल की आवश्यक बैठक का सम्पन्न

मुरैना,कांस। विकलांग बल के निर्देशन में विकलांग बल मध्यप्रदेश के मुरैना जिला मुख्यालय पर आवश्यक बैठक का आयोजन आज दिनांक 15 जून 2025 को स्थान रेस्ट हाउस मुरैना पर किया गया उक्त बैठक का उद्देश्य 17 जून को विकलांग बल के द्वारा दिव्य शक्ति टेलेंट शो का आयोजन मुरैना में पहली बार किया जा रहा है। उक्त बैठक में विकलांग बल के उपप्रधान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमंत सिंह कुशवाह जी मौजूद रहे। उन्हीं के मार्गदर्शन में पहली बार मध्यप्रदेश के मुरैना जिला में दिव्य शक्ति टेलेंट शो का आयोजन जिला प्रशासन व जनसहयोग से किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में भारत के समस्त राज्यों से उक्त प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए पार्टिसिपेंट आ रहे हैं। उनकी व्यवस्था की जिम्मेदारी विक्रम सिंह एडवोकेट जिलाध्यक्ष विकलांग बल मुरैना, हरदीप कौर (जिला उपाध्यक्ष विकलांग बल मुरैना) नागेंद्र खरे (जिला सचिव), रामसेवक तत्मासियां (ब्लॉक अध्यक्ष मुरैना), पंकज सिकरवार (जिला उपाध्यक्ष विकलांग बल मुरैना), रजनीश दौनेरिया (पूर्व जिला सचिव) आदि को सौंपी है।

जीवन का हर अपराध दंडित,हर सत्कर्म पुरस्कृत होगा : रमापति दास

मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में 272 मरीज का हुआ उपचार

मुरैना,कांस। प्रति रविवार की तरह इस रविवार को भी मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में 272 मरीज का उपचार हुआ जिसमें दन्त रोग 89 स्व- जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 75, नाक कान गला 49, सर्जरी 42, अस्थि रोग 47, नैत्र रोग 25, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट2, ब्लड प्रेसर की जाँच 42, ई.सी.जी 1, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 32, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 19, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 32, एम्स में पंजीयन0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे- दांत शल्य क्रिया60, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज21, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमे- आँखों की जाँच 14 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवको ने सेवा की। परमार्थ न्यास में रमापति दास जी पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि निद्रा भी, जो एक प्रकार से ÷मृत्यु का ही लघु रूप÷ है, मर्त्य मनुष्य के लिये आवश्यक है, जिससे आत्मज्ञानविहीन मनुष्य भी कुछ समय के लिये इन्द्रियों के बन्धनों से मुक्त हो जाता है। मनुष्य मूलतः आत्मा होने के कारण मृत्यु और निद्रा में उसे अपने अशरीरित्व या निराकारत्व की याद दिलाने वाली कुछ बातों का अनुभव होता है, जो उसे नवशक्ति से भर देती हैं।जैसा कि हिन्दू शास्त्रों में कहा गया है, संतुलन पुनर्स्थापित करने वाला कर्म का नियम है।

मुरैना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : चक्का जाम करने वाले भीम आर्मी नेताओं पर मामला दर्ज

मुरैना,कांस। मुरैना जिले में पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (NH-44) पर चक्का जाम कर अव्यवस्था फैलाने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस प्रकरण में भीम आर्मी के प्रमुख नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले भीम आर्मी नेताओं की एक बैठक के दौरान आपसी झड़प हो गई थी। इसके बाद विवाद बढ़ता चला गया और नाराज भीम आर्मी नेता अपने समर्थकों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने हंगामा करते हुए हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह बाधित रहा और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में भीम आर्मी के नीरज चन्दसौरिया, रणवीर जाटव, मनोज सैमिल, बबलू कौशल, राज नरवर और राहुल मौर्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके अलावा 15 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसे किसी भी दबाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु :

NH-44 पर चक्का जाम कर फैलाई गई अव्यवस्था

मीटिंग के दौरान भीम आर्मी नेताओं में हुआ था विवाद

पुलिस ने छह नामजद और 15 अज्ञात आरोपियों पर दर्ज किया मामला

आम जनता को हुई भारी परेशानी

यह मामला अब प्रशासन की सख्ती और कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख की ओर इशारा करता है।

झांसी मंडल के मुरैना स्टेशन पर यूनीफाइड पेंशन स्कीम हेतु जागरूकता शिविर आयोजित

मुरैना,कांस। मंडल रेल प्रबंधक के निर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन एवं मंडल कार्मिक कार्मिक अधिकारी अरुण सिंह तोमर के दिशानिर्देशों में तथा कार्मिक एवं लेखा शाखा के समन्वय से मुरैना स्टेशन पर यूनीफाइड पेंशन स्कीम जागरुकता शिविर आयोजित किया गया।औपरेटिंग एवं सिग्नल एंड टैलिकौम अनुभाग हेतु एस.एस.ई पी.वे.मुरैना कार्यालय में प्रातः 08.30 बजे से जागरुकता शिविर आयोजित किया गया जिसमें लगभग 60 कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। जागरुकता शिविर के दौरान कर्मचारियों को विस्तार से यूनीफाइड पेंशन स्कीम के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा कर्मचारियों के मध्य यूनीफाइड पेंशन स्कीम के सम्बंध में विध्यमान प्रचलित मिथकों को दूर करने का प्रयास किया गया। कर्मचारियों को यूनीफाइड पेंशन स्कीम के तहत 50त्न गारंटीड पेंशन, सेवा समाप्ति पर प्राप्त होने वाले परिलाभों, सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले लमसम भुगतान, 60त्न परिवार पेशंन, मंहगई भत्ते की गारंटी इत्यादि पर विस्त्रत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कर्मचारियों को यू.पी.एस विकल्प फार्म भी वितरित किए गये। शिविर में प्रमुख रूप से मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक मनोज शर्मा द्वारा कर्मचारियों के मध्य विध्यमान यूनीफाइड पेशन स्कीम से सम्बंधित मिथकों को दूर करने का प्रयास किया गया । जागरुकता कैंप में आर.सी.मीना, एस.एम./मुरैना,तरुण द्विवेदी, एस.एस.ई/पी.वे/मुरैना एवं दिनेश कुमार मीना, एस.एस.ई/टैली/मुरैना एवं अन्य पर्यवेक्षकों द्वारा सक्रीय प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई।

कंट्रोल पर राशन लेने गए युवक से मारपीट, संचालक पर लगा आरोप

मुरैना,कांस। मुरैना के गणेशपुरा कब्रिस्तान के पास स्थित वार्ड-44 की राशन कंट्रोल दुकान पर राशन लेने गए एक युवक के साथ आधा दर्जन लोगों ने मारपीट की। घायल युवक ने कंट्रोल संचालक पर ही पिटवाने का आरोप लगाया है और सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, डोमपुरा निवासी फरियादी विसम्भर यादव (पुत्र बनिया) गणेशपुरा कब्रिस्तान के पास वार्ड-44 की कंट्रोल पर राशन लेने गए थे। वहां किसी बात को लेकर उनका कंट्रोल संचालक से विवाद हो गया। इसके बाद आधा दर्जन लोगों ने मिलकर उनकी मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गए। विसम्भर यादव ने आरोप लगाया है कि उन्हें कंट्रोल संचालक ने ही पिटवाया है। उन्होंने इस मामले में थाना सिटी कोतवाली में शिकायती आवेदन दिया है और पुलिस से उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत शिविर प्रारंभ

मुरैना,कांस।भारत सरकार की महत्वाकांक्षी ÷धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान÷ के अंतर्गत जिले की चिन्हांकित 18 सहरिया बसाहटों में शिविर के जरिए शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को समस्त विभागों की चिन्हित योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 30 जून तक विभागों द्वारा संयुक्त रूप से कैंप ग्राम पंचायत भवन में लगाए जाएंगे। इसके लिए कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने आदेश जारी कर अनुभाग जौरा एवं सबलगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी एवं जनपद पहाड़गढ़, सबलगढ़, कैलारस के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविरों का आयोजन चिंहित बसाहटों में करके शत प्रतिशत पात्र आदिवासियों को लाभ दिलाया जाए। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातियों के लिए अधो संरचनात्मक विकास एवं सामाजिक आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए किया गया है। शिविरों में शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का मौके पर ही लाभ प्रदान कर समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजन जनपद पहाड़गढ़ के ग्राम देवगढ़ में 15 जून, निचली बहराई, बघेवर में 17 जून, कनहरपुरा, पहाड़गढ़, खड़रिया पुरा में 19 जून, ग्राम मरा, मानपुर में 21 जून, जोगीपुरा काला खेत में 23 जून, जड़ेरू, धोबिनी में 25 जून, धौंधा, बस्को में 26 जून, गहतौली, खोरी में 27 जून, जनपद सबलगढ़ के ग्राम सिंगारदे में 28 जून और जनपद कैलारस के ग्राम रामपुर, मानगढ़ में 30 जून को शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, उज्ज्वला योजना, पीएम अन्न योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी केंद्र प्रस्ताव, आयुष्मान भारत कार्ड, सुरक्षित मातृत्व अभियान, पीएम राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, सिकल सेल मिशन, राष्ट्रीय टीवी उन्मूलन कार्यक्रम, मोबाइल चिकित्सा इकाई प्रस्ताव, वन अधिकार पट्टा, आहार अनुदान योजना, पीएम जनमन आवास, शौचालय, पेयजल की सप्लाई, विद्युत कनेक्शन एवं सौर ऊर्जा बहु उद्देश्य केंद्र प्रस्ताव, मोबाइल नेटवर्क, कौशल विकास इत्यादि समस्त हितग्राही मूलक एवं सामुदायिक योजनाओं में लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिविर में उपस्थित रहकर शत प्रतिशत सहरिया आदिवासी वर्ग को लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं।

जीवन का हर अपराध दंडित,हर सत्कर्म पुरस्कृत होगा - रमापति दास

निर्मोही अखाड़े के महंत श्री श्री 1008 दीन दयाल दास जी ने परमार्थ न्यास की चित्रकूट सेवा का किया सम्मान, विनिका फार्मा से मनीष लखोटिया ने दिया दवा दान, दिल्ली से आहूजा जी ने भेजा 1100 रूपये का दवाइयो हेतु दान, 19 लोगों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प, बड़ी संख्या में वितरित हुए वस्त्र, साड़ी सूट एवं चश्मे, 272 मरीज और 31 सेवक हुए उपस्थित

मुरैना,कांस। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई इसके साथ ही 272 मरीजो ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया, विषय बार मरीजो की संख्या इस प्रकार रही -दन्त रोग 89 स्व- जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 75, नाक कान गला 49, सर्जरी 42, अस्थि रोग 47, नैत्र रोग 25, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट2, ब्लड प्रेसर की जाँच 42, ई.सी.जी 1, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 32, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 19, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 32, एम्स में पंजीयन0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे- दांत शल्य क्रिया60, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज21, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमे- आँखों की जाँच 14 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवको ने सेवा की। डॉ एस.के.शर्मा, डॉ बी.एल.राजपूत, डॉ दीपक बंसल, प्रदीप शर्मा, गुड्डी, कस्तूरी, ओमवती, सलोनी, शीतल, राजश्री, प्रेमा, आशा, मीरा, लक्ष्मी, ममता, बबीता, विमलेश, श्यामवती, मनीराम, होतम, रमेश बाउजी, श्याम शर्मा, भगवान शर्मा, मयूर, परोसतम, राम चरण, दीपू, हाकिम, रामसिंह, घिरसिंह, गोदाका, महावीर, अरुण, रामवीर, अभिषेक निःशुल्क सेवाए प्रदान की। प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियो ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया।

आज परमार्थ न्यास में रमापति दास जी पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि

निद्रा भी, जो एक प्रकार से ÷मृत्यु का ही लघु रूप÷ है, मर्त्य मनुष्य के लिये आवश्यक है, जिससे आत्मज्ञानविहीन मनुष्य भी कुछ समय के लिये इन्द्रियों के बन्धनों से मुक्त हो जाता है। मनुष्य मूलतः आत्मा होने के कारण मृत्यु और निद्रा में उसे अपने अशरीरित्व या निराकारत्व की याद दिलाने वाली कुछ बातों का अनुभव होता है, जो उसे नवशक्ति से भर देती हैं।

जैसा कि हिन्दू शास्त्रों में कहा गया है, संतुलन पुनर्स्थापित करने वाला कर्म का नियम हैः क्रिया और प्रतिक्रिया, कार्य और कारण, बुवाई और कटाई। नैसर्गिक न्याय (ऋत) के सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक मनुष्य अपने विचारों और कार्यों के द्वारा अपने भाग्य की रचना स्वयं करता है। बुद्धिमानी से या मूर्खता से वह ब्रह्माण्ड की जिन शक्तियों को गतिशील बना देता है, उन्हें अपने प्रारम्भ बिन्दु के रूप में उसी के पास लौटकर आना ही पड़ता है, जैसे वृत्त की परिधि अपने आरम्भ बिन्दु पर आकर ही पूरी होती है। ÷यह जगत् गणित के समीकरण की तरह प्रतीत होता है, जिसे आप चाहे जैसे घुमा-फिरा लें, दोनों ओर समान ही बनता है। चुपचाप, पर निश्चित रूप से, हर रहस्य प्रकाश में आता ही है, हर अपराध दण्डित होता ही है, हर सत्कर्म का पुरस्कार मिलता ही है और प्रत्येक अन्याय का परिहार होता ही है।÷ -इमर्सन (÷कम्पेन्सेशन÷ में)। जीवन की असमानताओं के पीछे निहित कर्म के न्याय-विधान को समझ लेने से मानव-मन ईश्वर और मानव के विरुद्ध असन्तोष से मुक्त हो जाता है। आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं हृदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ ले। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

जरूरमंदो के लिए एक पहेल-

हमारा परमार्थ न्यास एम एस रोड पर भोज भवन के सामने स्थित है हर रविवार गरीबों व जरूरतमंदो को निशुल्क उपचार, दवाईयां और कपड़े उपलब्ध कराता है। अगर किसी के घर में जो दवाईयां और कपड़े उपयोग में ना हो वो लोग गरीबों व जरूरतमंदो के उपयोग हेतु हमे प्रदान कर सकते हैं या स्वयं परमार्थ न्यास पर आकर स्वयं दान दे सकते हैं। आपकी एक पहल जरूरतमंदो के बहुत काम आएगी। सभी शहर वासियों से निवेदन है कि शव को सुरक्षित रखने हेतु डीप फ्रीजर का उपयोग आवश्यकता होने पर किसी भी समय परमार्थ न्यास से 9827090180 पर संपर्क कर किया जा सकता है।

आई सी टी सी जोरा द्वारा पोइयन के पुरा में लगाया गया इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप

हेल्थ कैंप में की गई एचआईवी सिफलिश एवं हेपेटाइटिस की जांच शिविर में टीवी की स्क्रीनिंग कर लोगों को दिलाई टीवी मुक्त भारत की शपथ

मुरैना,कांस। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मुरैना डॉ. पद्मेश उपाध्याय एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आर एस सेमिल व डॉ अनुभा महेश्वरी के मार्गदर्शन में आई सी टी सी सिविल हॉस्पिटल जोरा द्वारा पहाड़ गढ़ ब्लॉक के ग्राम पोईयन के पुरा में एच आई वी एड्स निदान हेतु संचालित ए आर टी,टी आई परियोजना, विहान संस्था, वन स्टॉप सेंटर आदि के सहयोग से इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसमें आई सी टी सी के परामर्शदाता संदीप सेंगर एवं मनीकांत शर्मा द्वारा उपस्थित लोगों को एचआईवी एड्स के बारे में जागरुक किया वहीं एचआईवी संक्रमण होने के चार कारणों को भी विस्तार से समझाते हुए उन्हें एचआईवी की जांच करने हेतु प्रेरित किया इस अवसर पर एस टी एस दिनेश तिवारी एवं एस टी एल एस रणवीर गोयल द्वारा लोगों को टी वी रोग के प्रति जागरुक करते हुए टीवी मुक्त भारत हेतु शपथ दिलाई गई एवं टीवी लक्षण वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कर उन के स्पूटम कलेक्शन हेतु कंटेनर प्रदान किए गए ,शिविर में उपस्थित लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र सिंह बंसल द्वारा लगभग 50 से अधिक लोगों की एचआईवी,सिफलिश, हेपेटाइटिस बी-सी की जांचे की एवं सी एच ओ विजय शाक्य द्वारा बी पी,सुगर आदि की जांचें कर दवाईयां वितरण की गई शिविर में वन स्टॉप सेंटर संस्था के सेंटर मैनेजर गंगाराम बंजारा,ओ आर डब्लू राहुल बाथम, विध्यालय के प्रा शिक्षक रामजीलाल निगम,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती वर्षा कुशवाहा,आशा कार्यकर्ता श्रीमती मीरा कुशवाहा आदि लोग मौजूद थे।

मुरैना पुलिस अधीक्षक ने किए 21 पुलिसकर्मियों के तबादले

मुरैना,कांस। पुलिस अधीक्षक, मुरैना कार्यालय द्वारा आज एक आदेश जारी कर ज़िला पुलिस बल मुरैना में पदस्थ 21 पुलिसकर्मियों का प्रशासनिक आधार पर अस्थाई तौर पर तबादला कर दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है, और संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को अपने नवीन कर्तव्यस्थल पर तुरंत आमद देने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानांतरित किए गए पुलिसकर्मियों में कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक (कार्य. सउनि.) और कार्यवाहक प्रधान आरक्षक (कार्य. प्रआर.) शामिल हैं।

प्रमुख तबादले

* कार्य. सउनि. जयप्रकाश शर्मा को थाना कोतवाली से थाना जौरा भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. सुरेश गोस्वामी और कार्य. प्रआर. रामप्रकाश सिंह को थाना कोतवाली से थाना अम्बाह स्थानांतरित किया गया है।
* कार्य. प्रआर. भूपेन्द्र सिंह को थाना कोतवाली से थाना पोरसा भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. हाकिम सिंह को थाना सरायछौला से थाना अम्बाह भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. सयय्द बासित अली को थाना पहाड़गढ़ से थाना सिविल लाइन्स भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. विश्वनाथ सिंह को थाना कोतवाली से थाना बामौर भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. विनोद खरे और कार्य. प्रआर. राजकुमार सिंह को थाना स्टेशन रोड़ से थाना रिठौरा भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. सुरेन्द्र गुर्जर को थाना सिविल लाइन्स से थाना पहाड़गढ़ स्थानांतरित किया गया है।
* कार्य. प्रआर. मोहित शुक्ला को थाना सिविल लाइन्स से थाना पोरसा भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. मुकेश शर्मा को थाना सिविल लाइन्स से थाना कैलारस भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. दिनेश भदौरिया और कार्य. प्रआर. सुबोध् भटेले को थाना रिठौरा से थाना स्टेशन रोड़ भेजा गयाहै?
* कार्य. प्रआर. राजेन्द्र सिंह को थाना बामौर से थाना कोतवाली भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. उपेन्द्र राजावत को थाना पोरसा से थाना कोतवाली भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. जगदीश चौहान और कार्य. प्रआर. भारत सिंह गुर्जर को थाना अम्बाह से थाना कोतवाली भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. माधौ सिंह को थाना अम्बाह से थाना सरायछौला भेजा गया है।
* कार्य. प्रआर. शशिलता ताराम को थाना स्टेशन रोड़ से महिला थाना स्थानांतरित किया गया है।

यह आदेश पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भा.पु.से.) द्वारा 15 जून 2025 को जारी किया गया है। इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जोन, पुलिस उप महानिरीक्षक चम्बल रेंज और पुलिस मुख्यालय, भोपाल को भी सूचित किया गया है।

आंधी से टीन उडकर महिला को लगी, मौत

मुरैना,कांस। विगत दिवस आई तेज आंधी तूफन से सुमावली थाना क्षेत्र में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विगत 12 जून को जिले में तेजी आंधी तूफन आया और इस आंधी तूफन से रेतुअन का पुरा में निवास करने वाली महिला गुड्डी बाई पत्नी कमलेश कुशवाह उम्र 40 साल अपने घर पर थी कि उसी समय तेज आंधी से टीन उडकर उसके सिर में लगी जिससे उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने महिला की मौत पर फरियादी कमलेश कुशवाह पुत्र रामजीलाल की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

करंट से युवक की मौत

मुरैना। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के देवी सिंह का पुरा में निवास करने वाले एक युवक की करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देवीसिंह का पुरा में निवास करने वाले तीस वर्षीय अंकुर पुत्र मलखान सिंह प्रजापति अपने घर पर बिजली ठीक कर रहा था कि उसी समय वह करंट की चपेट में आने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। थाना पुलिस ने फरियादी मनोज पुत्र गौरीशंकर प्रजापति की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

टीएल बैठक 16 जून को

मुरैना,कांस। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में टीएल बैठक 16 जून को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित होगी। बैठक में समस्त अधिकारी उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

मामलू विवाद पर कट्टे से गोली मारी

मुरैना। देवगढ थाना क्षेत्र में मामूली विवाद के चलते एक युवक ने कट्टे से गोली मारकर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम गुढा चम्बल के स्कूल का पुरा में निवास करने वाले आनंद पुत्र जबरसिंह सिकरवार का मामूली विवाद पडौस में निवास करने वाले अंकुश सिकरवार से हो गया , इसी विवाद के चलते आरोपी अंकुश सिकरवार ने फरियादी को मॉ बहन की गालिया देते हुए जान से मारने की नियत से कट्टे से गोली मार दी जो उसके दाये हाथ एवं छाती में लगी जिससे फरियादी गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहॉ उसका उपचार चल रहा है। थाना पुलिस ने पीडित की रिपोर्ट पर से आरोपी के खिलाफहत्या का प्रयास सहित अन्य धाराओ के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

गरीबों-किसानों-श्रमिकों की समृद्धि का आधार 'मनरेगा': मुख्यमंत्री

भोपाल ब्यूरो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, महिला, किसान और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के विजन को साकार करने के लिये देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार इस अभियान को मिशन मोड में संचालित कर रही है। प्रदेश में कमजोर वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें मनरेगा योजना गरीबों किसानों और श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस योजना के माध्यम से न सिर्फ गरीब, श्रमिकों और किसानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला रहा है, बल्कि सिंचाई की उपलब्धता भी बन रही है। योजना के अंतर्गत खेत-तालाब, अमृत-सरोवर, कुएं, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, मेड़बंदी, बागवानी, जल निकायों का निर्माण, जीर्णोद्धार और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण सहित जल संचयन के अन्य निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मनरेगा योजना से जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक प्रदेश के 32 लाख लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2025-26 में मजदूरों को अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिले, इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। मनरेगा योजना में लोगों को स्थानीय स्तर पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में अप्रैल माह से अब तक 22 लाख परिवारों के 32 लाख लोगों को मनरेगा योजना का लाभ मिला है। प्रदेश में बारिश के पानी का बड़े स्तर पर संचयन किया जा सके, लोगों को रोजगार मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बड़े स्तर पर जल संरचना के कार्य किए जा रहे है। 14 जून की स्थिति में प्रदेश में 80 हजार 496 खेत तालाब, एक लाख एक हजार 61 कूप रिचार्ज पिट और एक हजार 283 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा तीन माह के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जब खेती-किसानी का समय नहीं रहता है। किसानों, गरीबों और श्रमिकों को रोजगार की तलाश रहती है। ऐसे में जल गंगा संवर्धन अभियान कारगर साबित हुआ है। मनरेगा के तहत स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला। जिससे काम की तलाश में दूसरे राज्यों या जिलों में नहीं जाना पड़ा। साथ ही लोगों के पलायन में भी कमी आई। मनरेगा योजना से मिलने वाली मजदूरी श्रमिकों-किसानों-गरीबों के लिए केवल रोज़गार का साधन नहीं, बल्कि खेती-किसानी, घरेलू ज़रूरतों और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मददगार बन रही है। योजना के माध्यम से खेत-तालाब, अमृत सरोवर, कूप रिचार्ज पिट, सड़कों का सुधार, वर्षा जल संचयन सहित अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं, जो ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मज़बूत बना रहे हैं।

जल संरक्षण में नवाचार, सॉफ्टवेयर से खेत-तालाब के लिए स्थान चयन

भोपाल ब्यूरो।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के रूप में जल संरक्षण के संकल्प की सिद्धि का मिशन बन गया है। यह अभियान प्रदेश में जन-सहभागिता की ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुआ है। प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून, 2025 तक संचालित इस अभियान का उद्देश्य नदियों, जल स्त्रोतों और वेटलैंड्स का संरक्षण तथा पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है। जल संरक्षण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों को देश भर में सराहना मिली है। प्रदेश में रिकॉर्ड खेत तालाब बनाए जा रहे हैं। खेत तालाबों के लिए स्थान चयन में नवाचार किया जा रहा है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। सिपरी (सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर) सॉफ्टवेयर को राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल ने इसरो के सहयोग से तैयार कराया है। इस साफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थलों की सटीक पहचान कर गुणवत्तापूर्ण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करना है। यह सॉफ्टवेयर जीआईएस आधारित वैज्ञानिक पद्धतियों से जल सरंचना स्थलों के चयन को अधिक सटीक बनाता है। प्राचीन जल धरोहरों को सहेजने का उत्सव 'बावड़ी-उत्सव' देवास जिले ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जन अभियान परिषद की कन्नौद इकाई ने धूत कृषि फार्म की प्राचीन बावड़ी 'बाग कन्नौद' में पौधारोपण किया। इसके साथ हनुमान चालीसा का पाठ और भजन कीर्तन कर प्राचीन बावड़ी की सफाई की गई। बावड़ी को लाइटिंग और दीपों से सजाया गया। अग्निहोत्र गंगा जी और नर्मदा जी की आरती और प्रसाद वितरण के साथ वावड़ी-उत्सव मानाया गया।

जल संरक्षण के प्रति जागरुकता के लिए संगोष्ठी

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनअभियान परिषद की नरसिंहपुर इकाई ने चिनकी के गांव श्रीराम आरण्यक में जल व पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की।

संगोष्ठी के बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सामूहिक पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण का संरक्षण संदेश दिया। संगोष्ठी में आने वाली पीढ़ी के प्रति जिम्मेदारी के निर्वाह के लिए पर्यावरण और जल संरक्षण के उपायों पर अमल करने का आह्वान किया गया। विशेषज्ञों ने आगामी मानसून के दिनों में जल का संरक्षण के उपाय बताये।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रायसेन जिले में सिलवानी विकासखण्ड के आदर्श ग्राम ऊषापुर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ने जल चौपाल का आयोजन किया। चौपाल में ग्रामवासियों को जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता का आहवान करते हुये जल संरक्षण का महत्व समझाया गया। गांव में सोख्ते गड्ढे बनाने, मेढ़ बंधान बनाने और नदी, तालाब, कुओं की साफ-सफाई रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सभी ग्रामवासियो को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई।

नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरूद्ध की गई कार्रवाई

ग्वालियर कांस ।

शहर में यातायात को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ई-रिक्शा के संचालन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा ई-रिक्शा का कलर कोडिंग कर समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित किए गए कलर कोडिंग के अनुरूप ई-रिक्शा का संचालन न करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरूद्ध निरंतर यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। रविवार को झांसी रोड थाना क्षेत्र में यातायात पुलिस द्वारा कलर कोडिंग का उल्लंघन कर ई-रिक्शा संचालन कर रहे ई-रिक्शा संचालकों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने निर्देश पर शहर में ई-रिक्शा का संचालन कलर कोडिंग कर दो पालियों में किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा ई-रिक्शा संचालकों को कलर कोडिंग एवं अपनी पाली में ही संचालन करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों का पालन न करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरूद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में यातायात पुलिस द्वारा रविवार को झांसी रोड थाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई।

विश्व रक्तदान दिवस पर जेसीआई इंडिया मंडल 6 का रक्तदान शिविर संपन्न

ग्वालियर मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में जेसीआई इंडिया मंडल 6 के अध्यक्ष जेसी अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व में विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। यह शिविर ग्वालियर, डबरा, गुना, शिवपुरी, भोपाल, खंडवा, सागर और श्योपुर जैसे प्रमुख शहरों में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।इन शिविरों में सभी को मिलाकर लगभग 500 लोगों ने रक्तदान किया और समाज सेवा में अपना योगदान दिया।रक्तदाताओं का पुष्प गुच्छ और मालाओं से स्वागत किया गया और उन्हें सर्टिफिकेट और गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया ग्वालियर रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ केशव पांडेय उपस्थित थे । रक्तदान महादान है आपका किया हुआ दान किसके पास जाए रक्तदाता को भी मालूम नही होता है निश्चित आपका दुसरो का जीवन है एक यूनिट ब्लड से 3 लोगो की जान बचाई जाती है । सभी युवाओं को एव स्वस्थ व्यक्ति जिनकी उम्र 18 से 55 वर्ष है उनको स्वेच्छा से आगे आकर रक्तदान करना चाहिए । रेडक्रॉस सोसाइटी ग्वालियर, जेएच ब्लड बैंक हॉस्पिटल ग्वालियर दोनों गवर्मेंट ब्लड बैंक को ब्लड दिया गया । ग्वालियर में रक्तदान शिविर में वर्षों से सहयोग करने वाले जे एफ एम सुधीर त्रिपाठी ने विश्व रक्तदान दिवस 14 जून रक्तदान शिविर में कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाई और रक्तदान शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण अपना योगदान दिया जेसीआई इंडिया मंडल 6 भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक रक्तदान शिविरो का आयोजन करता रहेगा और समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर काम करेगा। इस पहल की सराहना की जानी चाहिए जेसी आई ग्वालियर मेट्रो ने रक्तदान शिविर का आतिथ्य किया अध्यक्ष जेसी प्रदीप पटेल ने स्वम रक्तदान किया इससे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी समाज सेवा में अपना योगदान देकर विमारी से पीड़ित लोगों की मदद करे । इस अवसर पर लोम के अध्यक्ष एव सदस्य जेसी अनुपम तिवारी जेसी मनोज चौरसिया अभिषेक त्रिपाठी, संजीव निगोतिया आनन्द शर्मा वंशिका राजवाड़े अभिषेक यादव संजय यादव वी के शर्मा आर के सिंह आदित्य सोनी रवीन्द्र राजपूत विनय कुमार श्याम नामदेव सुनील मिश्रा सचिन एस एन वर्मा अखिलेश दांगी आदि मौजूद रहे।

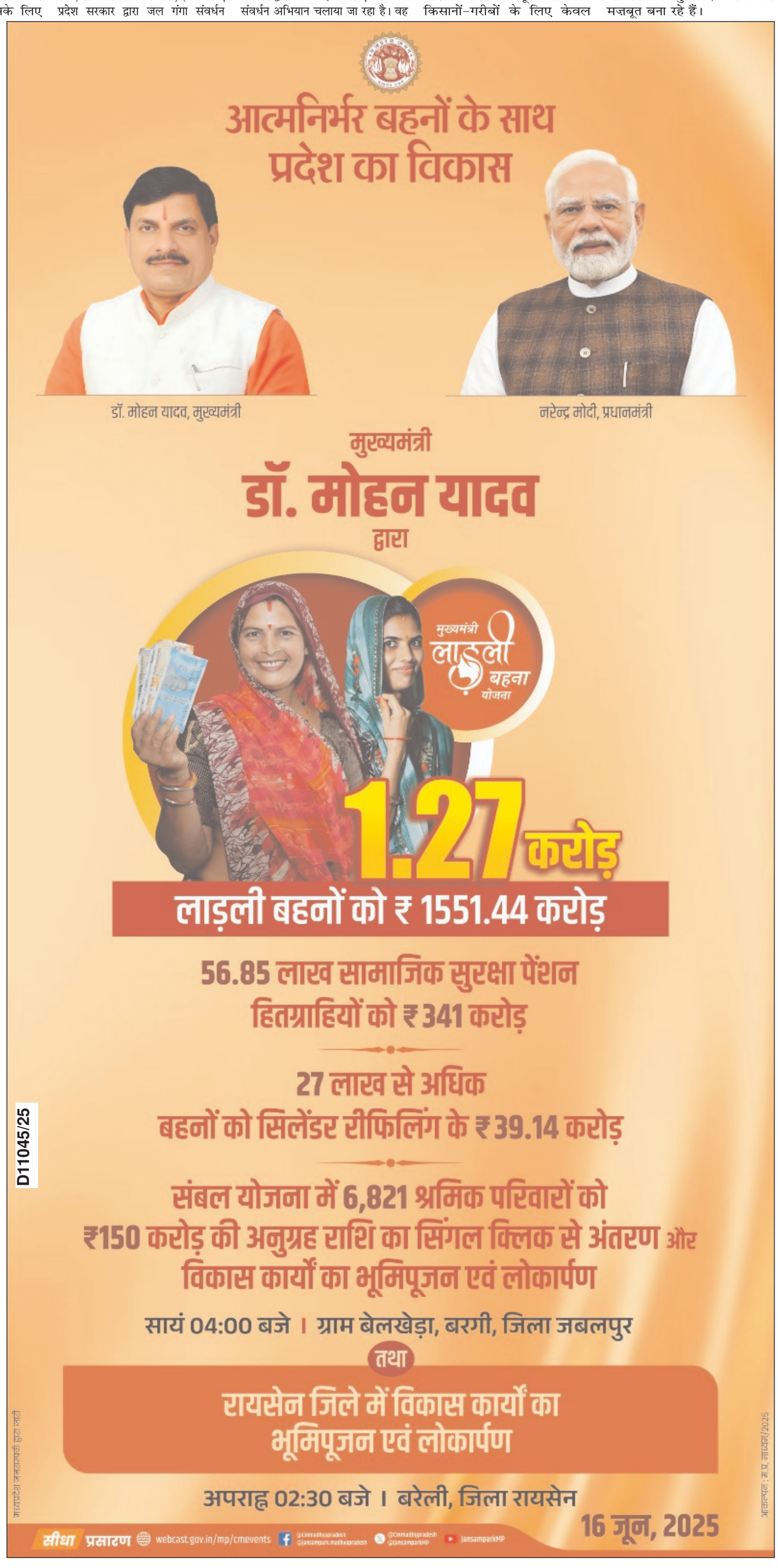

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक, रामविलास शर्मा द्वारा पहल प्रिंटर्स प्लाट नं. 27 बांके सैंथिया टाउन मौजा ककुआ आगरा, उत्तरप्रदेश से मुद्रित व 192,मानस नगर शाहगंज बोदला रोड आगरा (उत्तरप्रदेश) से प्रकाशित। संपादक- रामविलास शर्मा मोबा.-9329077393
स्थानीय संपादक- संतोष शर्मा.मो.97202 02708, email-sandhyapahal@yahoo.com आर.एन.आई.पंजीयन क्रमांक UPHIN/2008/25338 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना ही रहेगा।